• वर्ष-2
• अंक-274
रायपुर, शनिवार
08 जुलाई 2023
• पृष्ठ-6
• मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ को लगभग 7,600 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी

कांग्रेस के लिए छत्तीसगढ़ एक एटीएम : मोदी

■ **पीएम मोदी का प्रहार, कहा- छत्तीसगढ़ सरकार कांग्रेस के भ्रष्टाचार और कुशासन का मॉडल बन चुकी है**

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं। यहां पीएम मोदी ने शुक्रवार को रायपुर में लगभग 7,600 करोड़ रुपए की लागत वाली 8 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इस दौरान पीएम मोदी ने एक जनसभा को भी संबोधित किया और कांग्रेस पर जम कर बरसे। पीएम ने कहा कि कांग्रेसछत्तीसगढ़ का इस्तेमाल एटीएम की तरह करती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यहां राष्ट्रीय राजमार्ग 30 के 33 किलोमीटर लंबे रायपुर-कोडेबोड़ खंड के चार लेन और एनएच-130 के 53 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले बिलासपुर-पथरापाली खंड का लोकार्पण किया। इसके बाद सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी विपक्ष की साल 2024 के चुनावों को लेकर एकजुट होने की कोशिशों को लेकर भी बरसे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिनके दामन दागदार हैं वो आज एक साथ आने की कोशिश कर रहे हैं। उनको लगता है कि ऐसा करना से वे मोदी को डरा लेंगे।

पीएम मोदी ने आगे कहा, मैं कहता हूं कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की कमीशनखोरी की गारंटी है तो कुछ लोग नाराज हो जाते हैं और वे मोदी को भला बुरा कहने लगते हैं इनकी नाराजगी ही प्रमाण है कि हमारी सरकार सही दिशा में आगे बढ़ रही है। कांग्रेस पार्टी के लिए छत्तीसगढ़ एक एटीएम की तरह है। यहां पर कोयला माफिया, रेत माफिया, भूमि माफिया, न जाने कैसे-कैसे माफिया यहां फल-फूल रहे हैं। यहां सूबे के मुखिया से लेकर तमाम मंत्रियों और अधिकारियों तक पर घोटाले के गंभीर से गंभीर आरोप लगते रहे हैं। आज छत्तीसगढ़ सरकार कांग्रेस के भ्रष्टाचार और कुशासन का मॉडल बन चुकी है इसलिए आज एक ही आवाज सुनाई दे रही है कि इस बार कांग्रेस की सरकार बदली जाएगी।

विकास परियोजनाओं के सामाजिक महत्व का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का एक और बहुत बड़ा लाभ है, जिस पर उतनी चर्चा नहीं होती। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का संबंध सामाजिक न्याय से भी है। जो सदियों तक अन्याय और असुविधा झेलते रहे उन तक भारत सरकार आज ये आधुनिक सुविधाएं पहुंचा रही है। 9 वर्ष पहले छत्तीसगढ़ के 20 प्रतिशत से अधिक गांवों में किसी तरह की मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं थी, आज ये घटकर लगभग 6 प्रतिशत रह गई है। इनमें से अधिकतर जनजातीय और नक्सल हिंसा से प्रभावित गांव हैं।

मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ वह राज्य है, जिसके निर्माण में भाजपा की प्रमुख भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही छत्तीसगढ़ के लोगों को समझती है, उनकी जरूरतों को जानती है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास के सामने एक बहुत बड़ा पंजा दीवार बनकर खड़ा हो गया है। ये कांग्रेस का पंजा है, जो आपसे आपका हक छीन रहा है। इस पंजे ने ठान लिया है कि वह छत्तीसगढ़ को लूट-लूट कर बर्बाद कर देगा। उन्होंने कहा कि गंगा जी की झूठी कसम खाने का पाप कांग्रेस ही कर सकती है। गंगा जी की कसम खाकर इन्होंने एक घोषणा-पत्र जारी किया था और उसमें बड़ी-बड़ी बातें की थी। लेकिन आज उस घोषणा-पत्र की याद दिलाते ही कांग्रेस की याददाश्त ही चली जाती है।

हजारों करोड़ का शराब घोटाला हुआ

मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ से 36 वादे जो कांग्रेस ने किए थे, उसमें एक ये था कि राज्य में शराब बंदी की जाएगी। 5 वर्ष बीत गए, लेकिन सच ये है कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में हजारों करोड़ का शराब घोटाला कर दिया है और इसकी पूरी जानकारी अखबारों में भरी पड़ी है। उन्होंने कहा कि 2 साल बाद छत्तीसगढ़ के निर्माण के 25 साल होने जा रहे हैं, छत्तीसगढ़ युवा ऊर्जा से भरा हुआ है। अगले 25 साल यहां के विकास के लिए बहुत अहम हैं लेकिन छत्तीसगढ़ के विकास के सामने एक बहुत बड़ा पंजा दीवार बनकर खड़ा हो गया है। ये कांग्रेस का पंजा है..ये लोग आपका हक छीन रहे हैं।

अंतागढ़ से रायपुर के लिए एक नई ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री ने रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारे के अंतर्गत छह लेन वाले झांकी-सरगी खंड (43 किलोमीटर), सरगी-बासनवाही (57 किलोमीटर) और बसनवाही-मारंगपुरी खंड (25 किलोमीटर) का भी शिलान्यास किया। इसके अलावा उन्होंने 750 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई 103 किलोमीटर लंबी रायपुर-खरियार रोड रेल लाइन का दोहरीकरण के बाद और केवटी-अंतागढ़ को जोड़ने वाली 17 किलोमीटर लंबी नयी रेलवे लाइन का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कोरबा में 136 करोड़ रुपये की लागत से बने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के एक एपलीजी बॉटलिंग प्लांट का लोकार्पण किया।

पीएम मोदी ने अंतागढ़ (कांकेर जिला) से रायपुर के लिए एक नई ट्रेन को हरी झंडी भी दिखाई। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री विशेष विमान से सुबह लगभग साढ़े दस बजे रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुंचे, जहां पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। बारिश में ही साइंस कॉलेज मैदान में कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह शामिल हुए।

भूपेश बघेल का पलटवार

प्रधानमंत्री मोदी के बयान के बाद फिर राज्य की राजनीति तेज हो गई है। आपको बता दें कि इस साल छत्तीसगढ़ में विधानसभा के चुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पलटवार किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि मोदी जी आप राज्य में आए तो फिर से झूठ की बयार बहने लगी। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि छत्तीसगढ़ के किसान को कोई अब गुमराह नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि मोदी आए, उम्मीद थी कि छत्तीसगढ़ को कुछ मिलेगा लेकिन एक फूटी कौड़ी उन्होंने नहीं दी। 2006-2007 में यूपीए सरकार द्वारा स्वीकृत कार्यों का लोकार्पण करके वे गए हैं। जो अमित शाह झूठ बोलकर गए थे कि धान खरीदी केंद्र सरकार के पैसे से होती है वही झूठ बोलकर क्क्रूमोदी गए हैं। उन्होंने ककहा कि प्रदेश भाजपा के नेता लगातार किसानों को गुमराह कर रहे थे कि धान खरीदी केंद्र के पैसों से होती है। आप प्रधानमंत्री हैं, आपको तो सच पता है, लेकिन आप भी झूठ बोल गए।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

राष्ट्रीय नेताओं ने बदले वातावरण

भारतीय जनता पार्टी लगातार चुनावी मोड में रहती है। एक चुनाव खत्म हुआ नहीं कि दूसरे की तैयारी शुरू हो जाती है, परिणाम चाहे जो भी हो। अभी कर्नाटक चुनाव में पराजय के इस साल के अंत में चार बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव होने को है, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और छत्तीसगढ़। इनमें केवल मध्यप्रदेश में ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, लेकिन पार्टी की तैयारी पूरे जोश से शुरू हो चुकी है। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय नेताओं का लगातार आगमन हो रहा है, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के बाद शुक्रवार को प्रधानमंत्री की आमसभा राजधानी रायपुर में हुई। कई घंटे की लगातार बारिश से लगा कि कार्यक्रम में लोग कैसे आएंगे? लेकिन प्रधानमंत्री को देखने और सुनने पार्टी कार्यकर्ता और आम जनों की ऐसी ऐतिहासिक भीड़ जुटी कि भाजपा के नेताओं में नया जोश भर गया। प्रधानमंत्री का रायपुर आना केन्द्र सरकार का अनेक निर्माण कार्यों का उद्घाटन और लोकार्पण करने के लिए भी था। इसके बाद आमसभा में श्री मोदी ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। प्रदेश में लग रहे भ्रष्टाचार के आरोपों पर उन्होंने कहा कि कोई भ्रष्टाचारी बच नहीं पाएगा। उन्होंने अगले चुनाव के लिए नारा भी देकर गए, बदलबो, बदलबो, भ्रष्ट कांग्रेस सरकार ला ए बार बदलबो...। प्रदेश को दो दिन पहले ही गृह मंत्री अमित शाह चुनाव की योजना के संबंध में बैठक करने रायपुर आए थे, उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडवीय भी आए, हालांकि रायपुर एम्स में उनका कार्यक्रम था लेकिन वे गृहमंत्री के साथ भाजपा नेताओं की बैठक में भी रहे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में भी रहे और उसके बाद यह घोषणा हो गई कि उन्हें केंद्र ने छत्तीसगढ़ में चुनाव का सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। अब इस नियुक्ति के बाद प्रदेश में भाजपा के चुनावी बिगुल फूंक दिया है। इधर कांग्रेस भी पीछे नहीं है। संगठन स्तर पर बूथ स्तर पर बैठकों का दौर जारी है। कुछ दिन पूर्व दिल्ली में संगठन की बैठक हुई जिसमें स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव को प्रदेश का उप मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय लिया गया है। राज्यपाल ने इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी है। अब तक भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार चल रही थी, अब सिंहदेव के उप मुख्यमंत्री बनने के बाद क्या अधिकारों का भी बंटवारा हो पाएगा? टी एस सिंहदेव पार्टी से सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद से नाराज चल रहे थे, पार्टी के विधायकों ने उनका कई बार अपमान भी किया। नाराज सिंहदेव ने अपने एक विभाग से इस्तीफा भी दे दिया था। माना जा रहा है कि उनको मना लेने से कांग्रेस के लिए सरगुजा में स्थिति बेहतर होगी। वैसे चुनाव आते आते अभी समीकरण कई बार बदलेंगे। प्रधानमंत्री के प्रवास से उत्साहित पार्टी को अपना संवेग बनाए रखना होगा।

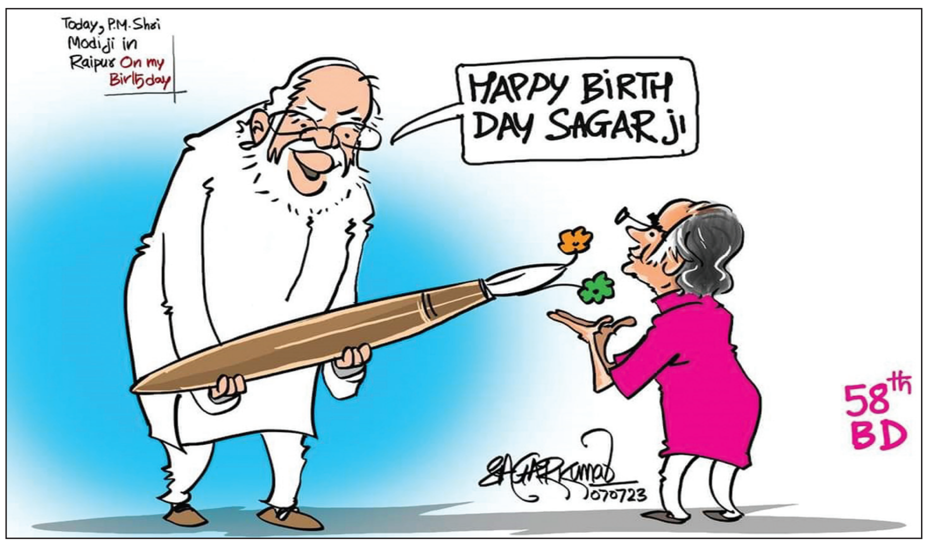

प्रमुख समाचार

जुलाई में मानसून सत्र, कैबिनेट विस्तार को लेकर अनिश्चितता

मुंबई। महाराष्ट्र में चल रहे सियासी तूफान के बीच राज्य विधानमंडल का मानसून सत्र जुलाई से शुरू होगा और 4 अगस्त तक चलेगा। यह फैसला शुक्रवार (7 जुलाई) को विधानसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में लिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, महाराष्ट्र सरकार में शामिल हुए नए सदस्य उपमुख्यमंत्री अजित पवार और राकांपा नेता छगन भुजबल उपस्थित थे। भाजपा के सूत्रों ने कहा कि सत्र से पहले कैबिनेट विस्तार की संभावना नहीं है। इसके साथ ही सूत्रों से दावा किया गया कि उन्होंने कहा कि 2 जुलाई को सरकार में शामिल हुए एनसीपी मंत्रियों को विभागों का आवंटन निकट भविष्य में हो सकता है। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, मंत्रिपरिषद में केवल कैबिनेट मंत्री ही शामिल हो सकते हैं, राज्य मंत्री नहीं। दूसरी ओर, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक नेता ने कहा कि एक या दो दिन में विस्तार की योजना है। उन्होंने कहा, भाजपा और शिवसेना दोनों सदस्यों को जगह दी जाएगी। अजित पवार के सरकार में शामिल होने के बाद शिंदे खेमे में नाराजगी बढ़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

सियासी उठापटक के बीच राज ठाकरे से मिले सीएम शिंदे

मुंबई। बागी अजित पवार के नेतृत्व वाले राकांपा गुट के महाराष्ट्र में शिवसेना (शिंदे)-भाजपा सरकार में शामिल होने के कुछ दिनों बाद, अब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की है। राज ठाकरे की एकनाथ शिंदे से मुलाकात से एक बार फिर नई अटकलें शुरू हो गई हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में आगे क्या हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, उद्धव और राज के एक साथ आने की खबरों पर सीएम शिंदे और राज ठाकरे की मुलाकात करीब 20-25 मिनट तक चली। दोनों नेता एक साथ आ जाएं इसके लिए दोनों पार्टियों में कुछ नेता अलग-अलग हथकंडे अपना रहे हैं, हालांकि अभी तक इनके बीच कोई सीधी बातचीत नहीं हुई है। राज ठाकरे पहले भी दो बार उद्धव से धोखा खा चुके हैं, ऐसे में दोनों नेताओं के एक साथ न आने की यही वजह बन सकती है। मनसे नेताओं ने कहा है कि जब शिवसेना (उद्धव गुट) मजबूत थी तो वह उनसे हाथ नहीं मिलाना चाहते थे, अब जब वह कमजोर हो गए हैं तो उन्हें समर्थन क्यों देना चाहिए।

छत्तीसगढ़ में ओम माथुर, मंडाविया बने चुनाव प्रभारी

नईदिल्ली। इस साल होने वाले चार राज्यों के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अपनी रणनीति बनाने में जुट गई है। इसी कड़ी में भाजपा ने चुनाव प्रभारियों के नाम का ऐलान कर दिया है। भाजपा का यह ऐलान मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना को लेकर है। इन चारों ही राज्यों में साल के आखिर तक विधानसभा के चुनाव होने हैं। छत्तीसगढ़ में ओम प्रकाश माथुर पर भरोसा किया गया है और उन्हें चुनाव प्रभारी बनाया गया है जबकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया को सह चुनाव प्रभारी होंगे। मध्यप्रदेश में भूपेंद्र यादव को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके साथ अश्विनी वैष्णव को सह चुनाव प्रभारी बनाया गया है। तेलंगाना के बात करें तो यहां प्रकाश जावड़ेकर प्रदेश चुनाव प्रभारी होंगे जबकि सुनील बंसल सह चुनावी प्रभावी होंगे। यह आदेश तत्काल ही लागू हो गया है। राजस्थान की बात करें तो यहां प्रह्लाद जोशी को कमान दी गई है। वही, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को मध्य प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन चारों ही राज्यों में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं।

11 पार्टियों ने लिखा पत्र परिसीमन पर उठाए सवाल

नईदिल्ली। कांग्रेस सहित असम के ग्यारह विपक्षी दलों ने राज्य में किए जा रहे परिसीमन अभ्यास के खिलाफ चुनाव आयोग को एक ज्ञापन सौंपा है, और इस मामले पर व्यापक परामर्श की मांग की है। 11 पार्टियों के नेताओं ने परिसीमन प्रक्रिया पर अपने सामूहिक विरोध पर एक अभ्यावेदन साझा करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। उन्होंने चुनाव आयोग को अपना ज्ञापन देने से पहले शुक्रवार को जंतर-मंतर पर धरना दिया। कांग्रेस के अलावा, जो दल परिसीमन प्रक्रिया का विरोध करने के लिए एक साथ आए हैं, उनमें रायजोर दल, असम जातीय परिषद, जातीय दल, तृणमूल कांग्रेस की राज्य इकाइयां, एनसीपी, सीपीआई, सीपीआई , सीपीआई लिबरेशन शामिल हैं। 20 जून को जारी एक मसौदा परिसीमन दस्तावेज़ में, चुनाव आयोग ने असम में विधानसभा सीटों की संख्या 126 और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या 14 बरकरार रखते हुए - विधानसभा और लोकसभा दोनों, अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों की भौगोलिक सीमाओं में बदलाव का संकेत दिया। इसका मतलब है कि कई सीटें अब खत्म हो सकती हैं, जबकि नई सीटें तैयार की गई हैं।

बालसोर ट्रेन दुर्घटना मामले में रेलवे के 3 अधिकारी गिरफ्तार

नईदिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को सबूत मिटाने और गैर इरादतन हत्या से जुड़ी धाराओं के तहत 3 रेलवे कर्मियों को गिरफ्तार किया। रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों रेलवे अधिकारियों की पहचान अरुण कुमार महंत (सीनियर सेक्शन इंजीनियर), मोहम्मद अमीर खान (सेक्शन इंजीनियर) और पप्पू कुमार (तकनीशियन) के रूप में की गई है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की यह कार्रवाई बालसोर ट्रेन दुर्घटना के सिलसिले में की गई है जिसमें 290 से अधिक यात्रियों की जान चली गई थी और 1000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। सीनियर सेक्शन इंजीनियर अरुण कुमार मोहंता, सेक्शन इंजीनियर मोहम्मद अमीर खान और तकनीशियन पप्पू कुमार को सीआरपीसी की धारा 304 और 201 के तहत गिरफ्तार किया गया है। बालासोर ट्रेन त्रासदी की जांच से अब पुष्टि हो गई है कि सिग्नललैंड दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों की गलती और लापरवाही के कारण 2 जून को दुखद रेल दुर्घटना हुई थी। एक महीने की लंबी जांच के बाद अब सीबीआई ने अपने मामले में गैर इरादतन हत्या और सबूत नष्ट करने से जुड़ी दो कड़ी धाराएं जोड़ी हैं। एजेंसी ने पिछले महीने दायर की गई अपनी पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) में इन धाराओं को लागू नहीं किया था।

महाराष्ट्र के सियासी भूचाल के संकेत

नीरजा चौधरी

शरद पवार इस समय शायद अपने राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहे हैं। अपने राजनीतिक जीवन की संध्या में अपनी बनायी पार्टी का बिखर जाना, और उसे दोबारा खड़ा करना एक बड़ी चुनौती है। हालांकि, यह मान लेना असंभव है कि शरद पवार जैसे कद्दावर नेता को महाराष्ट्र के इस राजनीतिक भूचाल की भनक नहीं रही हो। पिछले दिनों महाराष्ट्र में यह चर्चा आम थी कि अजित पवार का बीजेपी के साथ जाना तय है। सवाल बस यह था कि ऐसा कब होता है। इस साल दो मई को शरद पवार ने एनसीपी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया, और फिर उनकी पूरी पार्टी ने इसे मानने से इनकार कर दिया, जिसके बाद पांच मई को उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया।

पवार के उस निर्णय की वजह भी यही थी कि उन्हें अजित पवार के ऐसे किसी कदम लेने का आभास था। अजित पवार के खिलाफ इडी के मुकदमों की तलवार पहले से लटक ही रही थी। कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भी मामले थे। प्रफुल्ल पटेल का यह कहना बिल्कुल सही है, कि एनसीपी के भीतर बीजेपी को सहयोग देने के लिए बहुत दबाव था। बल्कि, प्रफुल्ल पटेल वर्ष 2013 से ही अंदरखाने बीजेपी से नजदीकी बढ़ाने की बात कर रहे थे। उनकी दलील थी कि नरेंद्र मोदी सत्ता में आयेंगे और पार्टी को उनके साथ रहना चाहिए। परंतु पार्टी में इसे लेकर सहमति नहीं बन सकी। इसलिए शरद पवार को अपनी पार्टी में इस तरह की स्थिति के उपजने का अंदाजा नहीं हो, यह संभव ही ?नहीं है।

एनसीपी की टूट में बीजेपी की भूमिका होने के भी कयास लग रहे हैं। मगर, यह दिलचस्प है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले सप्ताह ही भोपाल में एक कार्यक्रम में अपने भाषण में जिन विपक्षी दलों पर आक्रामक तेवर में हमला किया उनमें एनसीपी भी शामिल थी। उन्होंने एनसीपी को खास तौर पर

भ्रष्टाचार को लेकर घेरा था और घोटालों का जिक्र किया था। उन्होंने सिंचाई आदि मामलों के भ्रष्टाचार का जिक्र किया, जिसमें कथित तौर पर अजित पवार लिप्त बताये जाते हैं। ऐसे में एक सप्ताह बाद ही अजित पवार और उनके समर्थकों को साथ लाना ना तो प्रधानमंत्री की छवि के लिए, और ना ही बीजेपी की छवि के लिए अच्छा कहा जा सकता है।

इस घटना से एक ओर गठबंधन सरकार में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गुट बहुत असहज हो गया है। दूसरी ओर, देवेंद्र फडणवीस अब अकेले उपमुख्यमंत्री नहीं रहे, उन्हें अजित पवार के साथ यह पद साझा करना पड़ रहा है। ऐसे में अजित पवार के सरकार में शामिल होने से, बीजेपी के लिए एक उथल-पुथल की स्थिति बन गयी है। महाराष्ट्र में अभी कोई राजनीतिक संकट की स्थिति नहीं थी। कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि शिवसेना के 15 विधायकों के मामले को लेकर शिंदे की सदस्यता पर आंच आने वाली थी। मगर, इस बारे में निर्णय तो विधानसभा अध्यक्ष को करना है और वह बीजेपी के विधायक हैं। तो इस बात की संभावना कम ही लगती है कि स्पीकर के सामने जल्दी कोई फैसला करने की मजबूरी थी।

दरअसल, एनसीपी में फूट के कारण कुछ और थे। मुझे लगता है दो ऐसी घटनाएं हुई हैं जिन्होंने इस महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम को निर्धारित किया है। पहला यह कि बीजेपी की ओर से पिछले कई हफ्तों से यह दबाव था कि पूरी एनसीपी उनके खेमे में आ जाए। यानी, शरद पवार को पता था कि अजित पवार बाहर जायेंगे। लेकिन, उन्हें पार्टी में उत्तराधिकारी की स्थिति स्पष्ट करनी थी। उन्होंने पार्टी में दो कार्यकारी अध्यक्षों के बनाने का जो एलान किया, वह अजित पवार को उकसाने वाला कदम था। उन्होंने सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल को कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया।

प्रफुल्ल पटेल का रवैया पहले से स्पष्ट था कि वह अजित पवार के साथ बीजेपी के पाले में जाना चाहते हैं। वहीं अजित पवार की दिलचस्पी महाराष्ट्र में ज्यादा है। राष्ट्रीय राजनीति में एनसीपी की कोई दिलचस्पी नहीं है, ना ही उसकी वहां कोई प्रासंगिकता है। अजित पवार को जिम्मेदारी नहीं देना एक उकसाने वाला कदम था। यहां सवाल उठता है कि क्या शरद पवार ने यह जान-बूझकर किया, ताकि अजित पवार यदि जाना चाहते हैं तो जल्दी जाएं और एनसीपी में सुप्रिया सुले के लिए रास्ता साफ हो जाए, और यह उनके रहते हुए हो जाए। शरद पवार के बाद यदि उत्तराधिकार का संघर्ष होता तो अजित पवार के मुकाबले सुप्रिया सुले का पलड़ा कमजोर बैठता। तो मुझे लगता है कि शरद पवार ने शायद एक दांव खेला है ताकि उत्तराधिकार की स्थिति स्पष्ट हो जाए।

दूसरी घटना पटना में पिछले महीने हुई विपक्ष की बैठक से जुड़ी है। आगामी लोक सभा चुनाव में बीजेपी को घेरने के इरादे से हुई इस बैठक में ऐसी संभावना बनने लगी कि शरद पवार सूत्रधार की भूमिका निभायेंगे। नीतीश कुमार जरूर पहल कर रहे हैं, मगर राहुल गांधी के 2024 की प्रधानमंत्री की रेस से खुद को बाहर कर देने के बाद, शरद पवार सबसे सर्वमान्य नेता होते। वह तेलंगाना में केसीआर से या आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी से या ओडिशा में नवीन पटनायक जैसे विपक्षी नेताओं से आसानी से संवाद कर सकते हैं। ऐसे में हो सकता है कि विपक्षी एकता को कमजोर करने के इरादे से भी एनसीपी में इस मौके पर तोड़-फोड़ की कोशिश की गयी हो, और इसे बीजेपी के नेतृत्व से झंडी मिली हो।

मोदी के नेतृत्व में कई जनकल्याणकारी योजनाओं को हासिल किया : रंजना

प्रधानमंत्री मोदी के नौ वर्षों के सुशासन को जन जन तक पहुंचाने विधायक ने नगर के प्रबुद्धजनों से की भेंट, विश्व पटल पर बढ़ रही देश की साख - जय हिंदूजा

धमतरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नौ साल के सुशासन को जनता तक पहुंचाने पार्टी द्वारा संपर्क से समर्थन का कार्यक्रम चल रहा है जिसके तहत धमतरी विधायक रंजना डिपेंद्र साहू ने नगर के प्रबुद्धजनों से भेंट की।विधायक ने नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ प्रभात गुप्ता,वरिष्ठ सीए एस के अग्रवाल,वरिष्ठ अधिवक्ता जे पी गुप्ता,वरिष्ठ व्यापारी ललित नहाटा,वरिष्ठ नागरिक जग्गी मैडम,व्यवसायी दीपक मंगलानी से भेंट कर उन्हें मोदी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी एवं उनके कार्यकाल पर बनी पुस्तक भेंट की। जारी प्रेस नोट में विधायक रंजना डिपेंद्र साहू ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने कई जनकल्याणकारी योजनाओं एवं ऐतिहासिक उपलब्धियों को हासिल किया है,प्रधानमंत्री जी ने देश के हर वर्ग के उत्थान हेतु अविस्मरणीय कार्य किए हैं,भारत की आंतरिक शक्ति को सुदृढ करने से लेकर गरीब को आवास,सिलेंडर राशन से लेकर किसानों को समृद्ध करने तक प्रधानमंत्री ने हर वर्ग के हितों का ध्यान रखते हुए विकास का कार्य किया है उनका अब तक का नौ वर्ष हर भारतीय की सेवा,देश में सुशासन लाने एवं गरीबों के कल्याण हेतु समर्पित रहा है जिसे जनता तक पहुंचाने हम निकले

हैं,विकास की इस अविरल गाथा को जनता तक पहुंचाने में प्रबुद्धजनों का अहम योगदान रहता है। वहीं युवा नेता जय हिंदूजा ने कहा भारत का वैश्विक स्तर पर जो मान आज प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में बढ़ा है वो अद्वितीय है जिसे देख कर लगता है भारत पुनः विश्वगुरु बनने की राह में अग्रसर है,विश्व पटल पर बढ़ रही है देश की साख वैश्विक शक्ति के नए रूप में भारत उभर रहा है,प्रत्येक भारतीयों का सीना उस वक्त गर्व से चौड़ा होता है जब प्रधानमंत्री जी के यशस्वी नेतृत्व में हमारे देश व देशवासियों की प्रतिष्ठा को वैश्विक आयाम मिल रहा है।

धार्मिक कार्यों में योगदान, यह हमारा सौभाग्य है : विधायक

नगरी। गुरू पुर्णिमा के पावन अवसर पर धारेश्वर नाथ महादेव मंदिर अछोटा में विधायक निधि से स्वीकृत चबूतरा निर्माण के भूमिपूजन क्षेत्र की विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू के करकमलों से विधिविधान से समस्त अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ संपन्न हुआ। सर्वप्रथम विधायक ने धारेश्वर नाथ महादेव की पूजा अर्चना कर समस्त क्षेत्र की खुशहाली की कामना की, विधायक रंजना साहू ने कहा कि श्रावन मास के शुभारंभ से पहले यह धार्मिक पवित्र स्थान में चबुतरा निर्माण का कार्य का शुभारंभ हो रहा है महानदी के पावन धरा में विराजमान धारेश्वर नाथ महादेव भगवान समस्त क्षेत्र के खुशहाली से भरे यही शुभकामनाएं हैं।

भक्ति और आराधना का यह श्रावण मास का पर्व बाबा भोलेनाथ की कृपा दृष्टि से सदैव इस क्षेत्र में उनका आशीर्वाद मिला, क्योंकि धर्म की नगरी धमतरी में महानदी के तट पर रुद्रेश्वर नाथ, बुढ़ेश्वर महादेव विराजमान हैं, यहां पावन धरा धाम धर्म की नगरी धमतरी धार्मिक कार्यों के लिए सदैव आगे रहती है। श्रीमती साहू ने आगे कहा कि जीवन का कुछ पल अपने व्यस्ततम समय से निकालकर धार्मिक कार्य करना चाहिए। सदैव अपने जीवन में राजनीतिक सामाजिक आर्थिक कार्यों के साथ-साथ धार्मिक कार्य में अपना योगदान देकर अपने इष्ट देवी देवताओं की पूजा अर्चना हमें करना चाहिए। गंगरेल मंडल अध्यक्ष उमेश साहू ने बताया कि धर्म के क्षेत्र में सेवा का सौभाग्य अगर इस जीवन में मिलता है तो निरंतर हमे करना चाहिए, निर्माण कार्य विधायक के द्वारा अनेक कराया गया है साथ ही इस पूरे क्षेत्र पर अनेक धार्मिक कार्य विधायक ने कराए है जो सराहनीय है। इस अवसर पर पूर्व जनपद सदस्य पदमनी साहू, भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री मोनिका देवांगन, रुद्री सरपंच अनिता यादव, लता अवनेंद्र साहू, बोल बम कांवरिया सेवा समिति के अध्यक्ष गैंदलाल ढीमर, सचिव रोहित देवांगन, कोषाध्यक्ष कैलाश देवांगन, संरक्षक धनुष साहू, श्री डोमन देवांगन, षीयूष देवांगन, कालेश्वर देवांगन, तरूण देवांगन, झुमुक उईके, उप सरपंच अनीष देवांगन युवा अध्यक्ष हेमंत देवांगन युवा सचिव आशीष देवांगन, ओंकर निषाद,नोमेश साहू, उमेश ध्रुव, हेमंत निषाद, चेतन देवांगन, हितेश नेताम, अंकेश ध्रुव, लेखराज देवांगन, नेतु ध्रुव, प्रियंक राव, मयंक लांगे, भविष्य देवांगन, ताम्रज सेन, बलवंत यादव, बीरेंद्र यादव, तीरथ देवांगन, यदु साहू, फलेंद्र यादव, राजेश यादव, महेश यादव, केशव देवांगन, रामचरण ध्रुव, महेश ध्रुव, ग्रामवासी द्वारिका यादव, ग्राम विकास समिति कोषाध्यक्ष हरिकृष्ण साहू , पन्नालाल यादव, मोतीलाल यादव, सागर निषाद, गिरधारी देवांगन, टोकेश्वर देवांगन, लेखन लाल देवांगन, श्रीराम युवा संगठन अछोटा संरक्षक तोरण लाल यादव आदि उपस्थित थे।

नौनिहालों को शिक्षा से जोड़ने का एक बेहतर माध्यम आंगनबाड़ी है : रंजना साहू

ग्राम पंचायत कुरमातराई में 6.45 लाख रुपए की लागत से बने आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 02 के भवन का शुभारंभ विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने मेन गेट पर लाल रिबन काटकर भवन का लोकार्पण किया गया। इससे पहले आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 02 पुराने ग्रामपंचायत के कमरों में संचालित हो रही थी। जहां पर वर्षा ऋतु के समय पर पानी भर जाने एवं सीपेज आने की समस्याएं निरंतर बनी रहती थी, ग्राम के सरपंच व पंच के द्वारा विधायक को समस्याओं से अवगत कराया गया जिसको तत्काल स्वीकृति विधायक ने दिलाई, जिसके बनने के उपरांत लोकार्पण किया गया। विधायक ने कहा कि आंगनबाड़ी भवन बनने से गांव के नन्हे छोटे बच्चों को सुविधाएं मिलेंगी। गांव के विकास के लिए हम सब एक हैं प्रत्येक समय मेरा प्रयास रहता है कि आपके विश्वास पर खरा उतरते हुए जन भावनाओं के अनुरूप बेहतर से बेहतर विकास कार्य के लिए प्रयासरत रहकर अपना योगदान दूं। श्रीमती साहू ने स्थानीय अभिभावकों से कहां की नौनिहालों को अनिवार्य रूप से शिक्षा ग्रहण कराएं और केंद्र का लाभ अपने नौनिहालों तक पहुंचाएं, नौनिहालों को शिक्षा से जोड़ने का एक बेहतर माध्यम आंगनबाड़ी है जहां बच्चों को शिक्षा के साथ उनके पोषण का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। जिला पंचायत सदस्य दमयंती साहू ने आंगनबाड़ी केंद्र के लोकार्पण की बधाई दिए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच पवन कुमार साहू, ग्राम पटेल यक्ष कुमार साहू, हाई स्कूल विधायक प्रतिनिधि गैंदलाल साहू, पंच बिमला ध्रुव, पुनेश्वरी यादव, नोमेश्वर साहू, दीनदयाल साहू, दीपक वैष्णव, चिंताराम साहू, सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

चरमराई विद्युत व्यवस्था, वर्षा की वजह से शहर में पूरी रात बिजली आपूर्ति बंद

कोरबा। ऊर्जाधानी से प्रदेश में पहचान बना चुका कोरबा शहर के निवासियों को ही अंधेरे में रात गुजरना पड़ रहा है। वर्षा होने, आंधी चलने या थोड़ा सा बादल गरजने से बिजली हो रही है बंद और कई घंटे बाद बहाल हो रही है। गर्मी में लोड बढ़ने से ट्रांसफार्मर उड़ रहे थे, तो वर्षा शुरू होने से इंसुलेटर, तार टूटना आम बात हो गई है। कई बार ट्रांसफार्मर भी खराब हो रहे हैं। रात में हुई वर्षा की वजह से शहर में पूरी रात बिजली बंद रही।

जिले में विद्युत कंपनी, बाल्को, एनटीपीसी, लैंको व एसीबी के बिजली संयंत्र स्थापित हैं। यहां से उत्पादित बिजली न केवल राज्य बल्कि देश के अन्य प्रदेश में भी आपूर्ति कर रौशन किया जा रहा है, पर कोरबा शहर के लोग अपने ही जिले में सुचारू बिजली आपूर्ति से कोसों दूर हैं। जरा सी हवा चली नहीं कि बिजली गुल हो जाती है। अनेक बार तो हवा भी नहीं चलती, तो भी बिजली गुल रहती है। ऐसा आए दिन हो रहा है। मौसम की बेरुखी से उमस

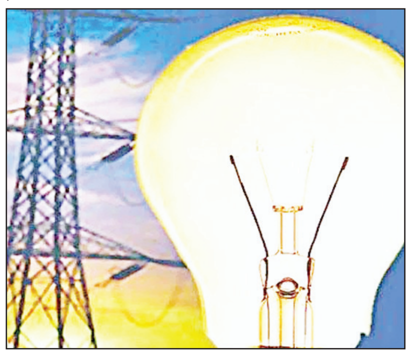

में पसीने से तरबतर लोगों को रात में भी घंटों बिजली नहीं मिल रही। कभी भी तीन से चार घंटे तक बिजली बंद रहना आम बात हो गई हैं। कभी बिजली प्लांट में तो कभी लाइन में कुछ रखरखाव के नाम से घंटों बिजली बंद कर दी जाती है।

बिजली की इस आंख-मिचौली से लोगो की समस्या काफी बढ़ गई है। एक और जहां प्रदेश विद्युत उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन में आ गया है और अनेक कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं लेकिन धरातल में सुचारू और निर्बाध वितरण की हकीकत तो कुछ और ही बयां कर रही है। देर से शुरू हुई वर्षा केवल चार दिन तक हुई और फिर कड़ी धूप निकल रही है। हालांकि बुधवार की देर रात पानी गिरा, इससे गुरूवार को दिन भर उमस भरी गर्मी रही। इससे लोग परेशान रहे। ऐसे में बिजली की आंख-मिचौली के कारण उन्हें पंखा व कूलर भी नही चल सके और राहत नहीं मिल सकी।

दिन में तो एक बार चल भी जाता है लेकिन रात में भी अव्यवस्था अंचल को चैन की नींद सोने नहीं दे रही। शहर से लेकर गांव तक सब स्थानों का यही हाल है। विद्युत वितरण कंपनी की व्यवस्था से त्रस्त होकर शहर के अधिकांश लोगों ने अपने घर, दुकान व प्रतिष्ठान में बैटरी इन्वर्टर लगा रहे हैं। ताकि परंपरागत बिजली बंद होने पर अंधेरे में न रहना पड़े, पर घंटो बिजली बंद होने से बैटरी व इंवर्टर भी जवाब दे रहे हैं, क्योंकि बैटरी की क्षमता अधिकतम तीन से चार घंटा ही रहती है, इसके बाद वह भी बंद हो जाती है।

छात्र जोड़ों संवाद के जरिए छात्रों से भेंट कर रही एनएसयूआई

धमतरी। एनएसयूआई द्वारा जुड़ेंगे हाथ एनएसयूआई के साथ छात्र जोड़ो संवाद जिले में निरन्तर जारी है । लगातार एनएसयूआई कार्यकर्ता वार्ड, गाँव,पंचायत पहुच कर छात्रों व युवाओं से संवाद कर रहे है और वार्ड इकाई व पंचायत इकाई का गठन कर रहे है ।

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने बताया कि छात्र जोड़ो संवाद के तहत एनएसयूआई पंचायत व वार्डो में युवाओ व छात्राओं की बैठक लेकर सरकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं की जानकारी दे रहे है । कांग्रेस के इतिहास पर चर्चा कर रहे है,एनएसयूआई की कार्यप्रणाली से अवगत करा रहे हैं । एनएसयूआई आज जिले के हर कोने में पहुच चुकी है और छात्र जोड़ो संवाद के तहत 8000 से भी अधिक छात्रों व युवाओं से सीधी चर्चा कर के 3000 सदस्य बना चुके है । चाहे वो जिले के अंतिम छोर सोंढुर हो या बिरेझर , मगरलोड हो या बेलर । जिले के हर कोने में एनएसयूआई भुपेश बघेल के योजनाओं को बताने तैनात खड़ी है । आगे जिलाध्यक्ष ने बताया कि पंचायतों व वार्डों में छात्र जोड़ो संवाद होने के बाद अब ब्लॉक स्तर पर एनएसयूआई छात्र जोडो संवाद की तैयारी में है,15 जुलाई को छात्र जोड़ो संवाद का जिला स्तरीय बैठक राजीव भवन में होगा। इस कार्यक्रम को धमतरी शहर में पूरन सोनी ,यश दुबे,यश यादव,फैजान रज़ा,वैभव रामटेके, तेजप्रकाश साहू,नमन बनजारे,गौरव दास लगातार कर रहे , धमतरी ग्रामीण में नोमेश सिन्हा, पारस मनी साहू,आर्यन बघेल,बसन्त सिन्हा,सुदीप सिन्हा, गजेंद्र साहू कर रहे , भखारा ब्लॉक में लोकेश साहू,सौरभ पॉल, पुष्पेन्द्र साहू,लक्की टण्डन कर रहे । कुरूद ब्लाक में हरषु निर्मलकर, उदित राज ठाकुर,तीरथ साहू,वैभव देवांगन कर रहे । मगरलोड ब्लॉक में भेपेन्द्र कवर,आयान शेख़, लकी निर्मलकर,अज्जू देवांगन कर रहे।

आदिवासियों के साथ बर्बर व्यवहार को समाज कभी माफनहीं करेगा: लक्ष्मी

नगरी। सिहावा विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मध्यप्रदेश के शिवराज सिंह चौहान के शासन काल में कई ऐसे घटना हुई जिससे मानवीयता शर्मसार होती है ऐसी ही एक घटना मध्यप्रदेश के युवक द्वारा एक आदिवासी युवक के ऊपर पेशाब करने की घटना सामने आई है जो बहुत ही शर्मनाक है और इसको पूरे भारत के आदिवासी समाज कभी माफ नहीं करेगा। एक ओर शिवराज सरकार आदिवासियों के वोट मांगने के लिए जनजाति गौरव दिवस मनाता है।

प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश के जनजातियों के घर जाकर उनकी प्रशंसा करता है और दूसरी और भाजपा छत्तीसगढ़ के आदिवासियों के आरक्षण को कुचलने में लगी हुई है और उनके अधिकारों पर निरंतर अतिक्रमण कर रही है और सत्ता प्राप्त करने के लालच में आदिवासियों के प्रदेश छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की में इनके केंद्रीय मंत्रियों का निरंतर आना हो रहा है और तथा कथित सभ्य समाज के आदिवासी युवक के ऊपर पेशाब करना मानवता को शर्मसार कर रही है इसके ऊपर एस्ट्रोसिटी एक्ट लागू कर युवक के ऊपर ठोस कार्यवाही करना चाहिए आज तक आदिवासी समाज ने हमेशा देश को अच्छा संदेश दिया है चाहे सामाजिक मूल्यों की रक्षा की बात हो पर्यावरण की रक्षा की बात हो जल जीवन को सुरक्षित रखने की बात हो चाहे राष्ट्रीयता की भावना की बात को आदिवासी समाज ने बढ़ चढ़कर कार्य किया है लेकिन तथा कथित पढ़े लिखे समाज के लोग आदिवासियों के साथ बर्बर व्यवहार को आदिवासी समाज कभी माफ नहीं करेगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान निवास पर पीड़ित व्यक्ति पहुंचा तो उसके चरण धोकर आदिवासियों के वोट को अपनी तरफआकर्षित करने के लिए ऐसे कदम उठाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़
प्रमुख समाचार

ग्रामीण की हत्या में शामिल एक नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्रामीण की हत्या में शामिल नक्सली मिलिशिया सदस्य सोमलू कुरसम लुक छिपकर अपने घर में आया हुआ है। मुखबीर की सूचना पर थाना तर्रेम, एसटीएफ एवं केरिपु 153 का संयुक्त बल सूचना तस्दीकी पर बड़े तर्रेम नदीपारा की ओर रवाना हुए थे। अभियान के दौरान ग्राम बड़े तर्रेम नदीपारा पहुंचकर आरोपी मिलिशिया सदस्य सोमलू कुरसम पिता स्व. पाण्डू, उम्र 30 वर्ष, साकिन नदीपारा बड़े तर्रेम को सकूनत पर पुलिस पार्टी द्वारा घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार मिलिशिया सदस्य थाना तर्रेम क्षेत्रान्तर्गत 2 मई 2023 को तर्रेम तुर्रीपारा में ग्रामीण अवलम हड़मा की हत्या में शामिल था। गिरफ्तार नक्सली सोमलू कुरसम के विरूद्ध थाना तर्रेम में वैधानिक कार्यवाही उपरांत आज न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय बीजापुर के समक्ष पेश किया गया।

अज्ञात व्यक्ति ने कृषि विस्तार अधिकारी पर किया हमला

बीजापुर। भोपालपटनम बस्ती के क्लबपारा में बीती रात एक अज्ञात व्यक्ति ने कृषि विस्तार अधिकारी मुन्ना लाल बघेल पर हमला कर फरार हो गया। अज्ञात हमलावर के हमले से कृषि विस्तार अधिकारी को हाथ की कोहनी में मामूली चोट आई है। भोपालपटनम के चेरपल्ली में पदस्थ कृषि विस्तार अधिकारी मुन्ना लाल बघेल बीती रात अपने भोपालपटनम स्थित क्लबपारा घर में आराम कर रहे थे। इसी बीच पीछे के दरवाजे से एक अज्ञात व्यक्ति घर में घुसा गया। और कृषि विस्तार अधिकारी पर हमला कर फरार हो गया। कृषि विस्तार अधिकारी को मुन्ना लाल बघेल को भोपालपटनम के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है। मुन्ना लाल बघेल कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर भोपालपटनम में विगत पांच वर्षों से कार्यरत है। इस घटना के संबंध में भोपालपटनम के एसडीओपी भावेश समरथ ने बताया कि रात को 11 बजे के लगभग किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा हमला की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि हमला किस चीज से किया गया है इसकी रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

कोरबा वन मंडल के कुदमुरा रेंज में बेबी एलिफेंट की मौत

कोरबा। कोरबा वन मंडल के कुदमुरा वन परिक्षेत्र में एक बेबी एलीफेंट की मौत हो गई है। जैसे ही इसकी खबर वन विभाग के अधिकारियों को मिली, उनमें हड़कंप मच गया और वे तत्काल मौके पर पहुंचे। बताया जाता है कि जन्म के दौरान एक बेबी एलीफेंट की मौत हुई है। जिस स्थान पर बेबी एलीफेंट की मौत हुई है,, उससे लगभग 500 मीटर दूर उसकी मां मादा हाथी डेरा डाली हुई थी, जिसकी वजह से वन विभाग को वैधानिक कार्रवाई करने में काफी परेशानी हुई। जानकारी के अनुसार कोरबा वन मंडल के अंतर्गत आने वाले कुदमुरा वन परिक्षेत्र में हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है जिसमें से एक मादा हाथी ने शुक्रवार की सुबह एक बेबी एलीफेंट को जन्म दिया, पर जन्म के दौरान ही बेबी एलीफेंट की मौत हो गई।जानकारी के मुताबिक सुबह जब ग्रामीण दिशा मैदान के लिए गए तब उन्होंने देखा कि बेबी एलीफेंट मृत पड़ा हुआ है और बेबी एलीफेंट की मां मादा हाथी जोर-जोर से जंगल में चिंघाड़ रही है। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी।

सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण का भूमिपूजन

धमतरी। पोस्ट आफिस वार्ड में सामुदायिक भवन मे अतिरिक्त कक्ष 5 लाख लागत से निर्माण कार्य का भूमि पूजन विधि विधान से पूजा पाठ कर महापौर विजय देवांगन,एमआईसी सदस्य एवं वार्ड पार्षद राजेश ठाकुर,राजेश पांडे,पार्षद नीलू पवार,एल्डरमैन विक्रांत शर्मा,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष डॉ. एनपी गुप्ता, दिग्विजय सिंह कृदत्त,भूरा ग्वाल,के द्वारा सम्पन्न हुआ। सामुदायिक भवन मे अतिरिक्त कक्ष की भूमि पूजन होने पर वार्डवासियों ने महापौर विजय देवांगन,सभापति अनुराग मसीह,आयुक्त विनय पोयाम,लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष राजेश ठाकुर,एवं पूरे नगर निगम का धन्यवाद कर आभार व्यक्त किया है। भूमि पूजन के पश्चात संक्षिप्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुये महापौर देवांगन ने कहा की पोस्ट आफिस वार्ड मे सामुदायिक भवन मे अतिरिक्त कक्ष निर्माण के बाद क्षेत्रवासियों को अपने मांगलिक कार्यक्रम करने और अन्य कार्यक्रमों के लिए काफी सुविधा प्रदान होगी। इस भवन के निर्माण से लोगों को सुविधा मिलेगी और बहुत जल्द है यह भवन लोगों की सेवा के लिए तैयार होगा।

विधायक ने किया अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन

नगरी। श्री राम नव युवक परिषद नगरी द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय मानस गान सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव उपस्थित हुई थी। इस दौरान उन्होंने आयोजन समिति की मांग पर दंतेश्वरी सभाकक्ष राजा बाड़ा परिसर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण की घोषणा की थी। जिसका भूमिपूजन गुरुवार को विधायक के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ।इस आयोजन की अध्यक्षता नगर पंचायत नगरी की अध्यक्ष आराधना शुक्ला ने किया। विशेष अतिथि के रूप में अजय नाहटा उपाध्यक्ष नगर पंचायत नगरी, पीसीसी मेंबर लखनलाल ध्रुव, वार्ड पार्षद सोहन लाल चतुर्वेदी, नगर व्यवस्था समिति के अध्यक्ष नंद यादव, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रताप नाग उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष भानेंद्र ठाकुर, सविता सोन, भूषण साहू, नरेश छेदैहा, पेमन स्वर्णबेर, पार्षदगण प्रफुल्ल अमतिया, जितेन्द्र ध्रुव, जियाउद्दीन रिजवी, विनीता कोठारी, गजेन्द्र कंचन, प्रदीप जैन, दीनदयाल सरपा, सुरेश साहु, माखन भरेवा, हरीश सार्वा आदि उपस्थित थे।

महापौर ने वार्ड का भ्रमण कर जानी समस्या, साफ-सफाई कार्यों का लिया जायजा

■ **महापौर राजकिशोर प्रसाद ने दादरखुर्द स्कूल में छात्राओं किया साईकिलों का वितरण**

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड क्र. 31 खरमोरा एवं वार्ड क्र 30 दादरखुर्द क्षेत्र के विभिन्न बस्तियों, पारों, मोहाल्लों का जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ जनसंपर्क भ्रमण किया। उन्होने वार्डो में की जा रही विभिन्न निर्माणाधीन व विकासरत कार्यो को देखा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने खरमोरा एवं दादर क्षेत्र का भ्रमण कर जानी समस्याएं, खरमोरा क्षेत्र की महिलाओं ने महापौर से मुलाकात कर नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा जलापूर्ति नियमित नहीं होने कारण उन्हें परेशानी से अवगत कराया। महापौर प्रसाद ने तत्काल अधिकारियों को जलापूर्ति कराने के निर्देश दिये तथा किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या को दूर कर उसका निराकरण करने को कहा।

उन्होने कहा कि खरमोरा बस्ती में साफ-सफाई कार्यो का संपादन कराने के निर्देश दिये तथा बस्तियों के आसपास उगी हुई झाडियों को जेसीबी के माध्यम से हटाने का कार्य कराया जा रहा हैं, स्थानीय नागरिकों द्वारा वहाँ

पर बने सार्वजनिक मंच में शेड़ निर्माण की मांग महापौर से की।

भ्रमण के दौरान महापौर राजकिशोर प्रसाद ने दादरखुर्द शा.पूर्व माध्यमिक शाला पहुंच कर 9वीं की छात्राओं को साईकिलों का वितरण किया तथा छात्राओं को महापौर ने अपनी शुभकामनाएं प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। साईकिल वितरण कार्यक्रम के दौरान प्रसाद ने कहा छग शासन की महती योजना सरस्वती साईकिल योजना अन्तर्गत शासन द्वारा 9वीं की छात्राओं को साईकिलों का वितरण कराया जाता है ताकि उन्हें अपने अध्ययन कार्य में रूचि बनी रहें, दूरदराज क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को स्कूल आने में परेशानी से बच सके। स्कूल की शिक्षिकाओं ने के महापौर प्रसाद से कहा कि स्कूल के समीप बरसाती पानी का भराव हो जाता है जिससे छात्र-छात्राओ को आने जाने में बहुत परेशानी होती है, महापौर ने तत्कालीक निदान के लिए अधिकारियों से कहा तथा बारिश के पश्चात उसके पर्शीकरण कार्य कराया जायेगा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड क्र. 23 पं.रविशंकर शुक्लनगर में निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़क में जो गड्ढे बन रहे हैं, उसे तत्काल भरकर रोलिंग करें और जब बारिश न हो तो उस पर नियमित पानी का छिड़कांव करें। भ्रमण के दौरान पार्षद राजेन्द्र सूर्यवंशी, एल्डरमेन रूपा मिश्रा, प्राचार्य मंजू तिवारी, सुनीता चन्द्रा, शशि अग्रवाललता जायसवाल, सलमा फैज, सुशील कुमार राय, नीलम दुबे, अरूण यादव, लक्ष्मण जाटवर, ओम पटेल, बसंत चौकसे, साधू जाटवर, राजा सोनी आदि के साथ निगम के अधिकारी कर्मचारीगण व अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

भूपेश सरकार किसानों के साथ हर वर्ग तक विकास पहुंचाने के लिए संकल्पित: साय

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष नंदकुमार साय शुक्रवार को एक दिवसीय दंतेवाड़ा प्रवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ने भूपेश बघेल की जमकर तारीफ की। नंदकुमार साय ने कहा कि भूपेश सरकार में चौतरफा विकास हो रहा है, सरकार के कामों से हर वर्ग के लोग खुश हैं। प्रदेश में भूपेश सरकार किसानों के साथ हर वर्ग तक विकास पहुंचाने के लिए संकल्पित हैं। प्रदेशभर के हर जिलों में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं चल रही है। उन्होंने बस्तर की नक्सल समस्या का हल निकालने सरकार से बात करने की बात कही है।

नंदकुमार साय ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में देवगुडियो के साथ गौठानों का निर्माण हो रहा है। भूपेश सरकार गांवों में गौठानों के निर्माण के साथ ही जिले के अंतिम व्यक्ति तक विकास कार्य की योजनाएं चला रही है। आज महिलाएं, किसानों के साथ

बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के साधन उपलब्ध कराए गए हैं। हर जिले में आत्मानंद स्कूल संचालित हो रहा है। अंदरूनी इलाकों के बच्चे इस स्कूल में अंग्रेजी में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस दौरान छविंद्र कर्मा से जिले में चल रहे विकास कार्यों के बारे में बातचीत की। इसके साथ ही नक्सल समस्यों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस समस्या के निराकरण के लिए राज्य शासन से चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार विकास के नए कीर्तिमान रच रही हैं। योजनाओं से इलाके के लोगों को इसका सीधा लाभ मिल रहा है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सिसोदिया उनकी पत्नी समेत अन्य आरोपियों की संपत्ति कुर्क

नईदिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के आरोपी मनीष सिसोदिया की 7.40 की संपत्तियों को ईडी ने जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत की गई है। सिसोदिया के साथ ही अन्य आरोपी अमनदीप ढल, राजेश जोशी और गौतम मलहोत्रा की भी 52.24 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है इसके पहले ईडी विजय नायर, समीर महेंद्रू, अमित अरोड़ा और अरुण पिल्लई की 76.54 करोड़ की संपत्ति जब्त कर चुकी है। इस तरह से कुल 128.78 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। ईडी के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को जब्त की गई संपत्तियों में मनीष सिसोदिया और उनकी पत्नी सीमा सिसोदिया की 7.29 करोड़ रुपये की दो अचल संपत्ति और मनीष सिसोदिया के बैंक अकाउंट में जमा 11.49 लाख रुपये शामिल हैं। इसके अलावा ब्रिंडको सेल्स के 16.45 करोड़ रुपये की चल संपत्ति के साथ लगभग 44 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की गई है। दिल्ली के आबकारी नीति घोटाले में कम से कम 1934 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग के सबूत मिले हैं।

कभी सोनिया और राहुल गांधी से नहीं मिली : पंकजा मुंडे

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय सचिव पंकजा मुंडे ने शुक्रवार को भगवा पार्टी छोड़ने और कांग्रेस में शामिल होने को लेकर स्थिति साफ कर दी। उन्होंने साफ तौर पर ऐसी खबरों को खारिज कर दिया। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि उनके भाजपा पार्टी से बाहर होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि वह न तो राहुल गांधी और न ही सोनिया गांधी से मिली हैं। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए मुंडे ने मीडिया से आग्रह किया कि वह सवालिया निशान लगाकर किसी का करियर खत्म न करें। पंकजा ने कहा कि कुछ दिन पहले एक खबर आई थी कि मैं राहुल गांधी और सोनिया गांधी से दो बार मिली हूं और मैं भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो रहा हूं। ऐसी खबरें बिल्कुल झूठी हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं शपथ लेती हूं कि मैंने कभी भी किसी भी पार्टी के नेता से उनकी पार्टी में प्रवेश के संबंध में बात नहीं की है।

उद्धव और राज को मध्यस्थता की जरूरत नहीं : संजय राउत

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता अभिजीत पानसे की मुंबई में उद्धव सेना के नेता संजय राउत से मुलाकात के एक दिन बाद अटकलें शुरू हो गईं कि क्या दोनों नेता एनसीपी संकट के बीच बिछड़े हुए चचेरे भाइयों को एक साथ लाने के लिए मध्यस्थता कर रहे हैं। ऐसे में संजय राउत का कहना है कि आखिरकार राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे भाई हैं। उन्हें किसी मध्यस्थता की जरूरत नहीं है और वे चाहें तो एक-दूसरे से बात कर सकते हैं। संजय राउत ने कहा, न तो उद्धव ठाकरे को मध्यस्थता की जरूरत है और न ही राज ठाकरे को। राज ठाकरे से मेरे करीबी रिश्ते भी किसी से अंजान नहीं हैं। हमारी राजनीतिक राहें अलग हो गईं, हमारा भावनात्मक लगाव आज भी है। उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें किसी राजनीतिक स्टंट की जरूरत नहीं है। अभिजीत पानसे ने गुरुवार को कहा कि वह कुछ निजी काम के लिए संजय राउत से मिले थे।

महाराष्ट्र विधान परिषद की उपाध्यक्ष शिंदे गुट में शामिल

मुंबई। शिवसेना उद्धव बाला साहेब ठाकरे गुट को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। हाल ही में विधायक मनीषा कायंदे के बाद महाराष्ट्र विधान परिषद की उपाध्यक्ष नीलम गोरहे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में शामिल हुईं। इस अवसर पर भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस भी उपस्थित थे। माना जा रहा है कि नीलम गोरे के पार्टी में आने से उद्धव ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा है। नीलम के शिव सेना में शामिल होने के बाद उन्होंने राज्य सरकार के काम की सराहना की और कहा कि वह शिव सेना में क्यों शामिल हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह शिव सेना बाला साहेब के विचारों को लेकर आगे बढ़ रही है और यही असली शिव सेना है। साथ ही जब नीलम गोरहे से सुषमा अंधारेन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने यह भी कहा कि सटरफर लोगों की वजह से पार्टी नेताओं में कोई नाराजगी नहीं है। इस बीच, नीलम गोरहे के शिवसेना पार्टी में प्रवेश के समय, कई लोगों की भौंहें तन गई हैं।

भाजपा सरकार तानाशाही को दे रही है बढ़ावा: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार लोकतंत्र पर प्रहार कर रही है और तानाशाही को बढ़ावा दे रही है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर लगातार हमले हो रहे हैं। पत्रकारों और समाजसेवियों के साथ मारपीट और हत्या तक होने की घटनाएं हो रही हैं। विपक्षी पार्टी के नेताओं पर फर्जी मुकदमें दर्ज किए जा रहे हैं। भाजपा की झूठी बयानबाजी की पोल खुलती जा रही है। उनके राज में अंधेरगर्दी मची है। जनहित में जनता को सच्चाई से अवगत कराना भाजपा सरकार को बर्दाश्त नहीं। जिला सुल्तानपुर के बदहाल एएनएम सेंटर की सच्चाई दिखाने पर यूट्यूबर पत्रकार ललित यादव की गिरफ्तारी इस बात का प्रमाण है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात बेमानी है। उनके समाज से लगातार ये शिकायतें आ रही है कि सरकार उन्हें डरा धमका रही है। भय और आतंक का माहौल बनाकर लोगों को डराना भाजपा और आरएसएस का एजेण्डा है।

राहुल को हाईकोर्ट से झटका, दोषसिद्ध बरकरार

संसद की सदस्यता नहीं होगी बहाल

अहमदाबाद। गुजरात उच्च न्यायालय ने मोदी उपनाम वाली टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाने का अनुरोध करने संबंधी याचिका को आज खारिज कर दिया। देखा जाये तो यह राहुल गांधी के लिए बहुत बड़ा झटका है क्योंकि यदि उनकी याचिका स्वीकार हो जाती तो उनकी संसद सदस्यता बहाल होने का मार्ग प्रशस्त हो जाता। न्यायमूर्ति हेमंत प्रच्छक की अदालत की ओर से यह फैसला सुनाये जाने के दौरान कांग्रेस के कई नेता मौजूद थे। बताया जा रहा है कि कांग्रेस इस निर्णय को चुनौती दे सकती है।

हम आपको बता दें कि न्यायमूर्ति प्रच्छक ने मई में राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोई अंतरिम राहत देने से इंकार कर दिया था और कहा था कि वह ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद अंतिम आदेश पारित करेंगे। राहुल गांधी के वकील ने 29 अप्रैल को सुनवाई के दौरान गुजरात उच्च न्यायालय में तर्क दिया था कि एक जमानती एवं गैर-संज्ञेय अपराध के लिए अधिकतम दो साल की सजा देने का मतलब है कि उनके मुवक्किल अपनी लोकसभा सीट खो सकते हैं।गुजरात में भारतीय जनता पार्टी के विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा दायर 2019 के एक मामले में सूरत की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने 23 मार्च को राहुल गांधी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 499 और 500 (आपराधिक मानहानि) के तहत दोषी ठहराते हुए दो साल जेल की सजा सुनाई थी। फैसले के बाद राहुल गांधी को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत संसद की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी 2019 में केरल के वायनाड से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे।

राहुल गांधी सत्य की राह के निडर यात्री-कांग्रेस

कांग्रेस पूरे मामले को लेकर भाजपा पर निशाना साध रही है। कांग्रेस का साफ तौर पर कहना है कि राहुल गांधी भाजपा के झूठ का पर्दाफाश कर रहे हैं इसलिए उनकी आवाज को सरकार दबाना चाहती है। पार्टी का साफ तौर पर कहना है कि कांग्रेस का कोई नेता साजिश से नहीं डरेगा और इस मामले में राजनीतिक एवं कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता और वकिल अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह एक षड्यंत्र है जिसका उद्देश्य स्वतंत्र विचार और बातचीत पर रोक लगे, उसका गला घोंटा जाए और इस प्रकार की स्वतंत्र सोच कोई न कर पाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ राहुल गांधी या किसी व्यक्ति विशेष का नहीं है, क्योंकि यह स्वतंत्र बोलचाल और अभिव्यक्ति की बात है। इस सरकार का उद्देश्य है कि अभिव्यक्ति की आजादी पर नियंत्रण किया जाए। इसीलिए मानहानि के कानून का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सत्य की राह के निडर यात्री हैं और वो झूठ का पर्दाफाश करते रहेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस का कोई नेता साजिश से नहीं डरेगा और इस मामले में राजनीतिक एवं कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने हमेशा सच की लड़ाई लड़ी है, और आगे भी लड़ते रहेंगे। सच यह है कि ललित मोदी, नीरव मोदी, मेहुल भाई, विजय माल्या, जतिन मेहता जैसे भगोड़े, मोदी सरकार के निगरानी में जनता के पैसे लेकर, संदिग्ध रूप से विदेश पहुँच गए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उनको तो आज़ाद कर दिया, पर झूठ की चालें चल, एक राजनैतिक साज़िश के तहत, श्री राहुल गाँधी को कठघरे में खड़ा कर, संसद से निलंबित करा दिया।

मोदी बोले- सत्यमेव जयते

कांग्रेस नेता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाले भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने फैसले को सत्यमेव जयते (सत्य की जीत होगी) बताया। मोदी ने कहा कि हर किसी को अदालत का आदेश स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने हमारे उपनाम के बारे में अपमानजनक बातें कही थीं। उन्हें इसके बारे में सोचना चाहिए और ऐसे इतिहास नहीं बनाने चाहिए। शुक्रवार को अपना फैसला सुनाते हुए, गुजरात उच्च न्यायालय ने कहा कि राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने से इनकार करने वाला सत्र न्यायालय का आदेश न्यायसंगत और कानूनी है। यह देखते हुए कि इस तरह की रोक एक अपवाद है, अदालत ने कहा कि अगर दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाई गई तो गांधी के साथ कोई अन्याय नहीं होगा।

1947 के बाद से नहीं हुआ ऐसा: थरूर

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि मैं वास्तव में इस फैसले से निराश हूं। 1947 के बाद से हमारे देश में किसी को भी आपराधिक मानहानि के मामले में 2 साल की सजा नहीं दी गई है। कांग्रेस पार्टी सुप्रीम कोर्ट जाएगी। यह हमारे लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

गलती भी और सीनाजोरी भी :धर्मेंद्र

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भुवनेश्वर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ये(राहुल गांधी) खुदको कानून से ऊपर मानते हैं। आप गलती भी करो और फिर सीनाजोरी भी करो। आपको लगता है कि आप बड़े परिवार के लोग हो, आप कुछ भी कर सकते हैं लेकिन अदालत इसकी मंजूरी नहीं देती है।

अहंकारी सत्ता सच को दबाने के लिए हर हथकंडे आजमा रही है : प्रियंका

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने ''मोदी उपनाम'' वाली टिप्पणी से जुड़े आपराधिक मानहानि मामले में राहुल गांधी की याचिका गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद शुक्रवार को आरोप लगाया कि अहंकारी सत्ता सच को दबाने के लिए हर हथकंडे आजमा रही है। प्रियंका ने साथ ही कहा कि जनता के हितों से जुड़े सवालों से ध्यान भटकाने के लिए केंद्र सरकार साम, दाम, दंड, भेद का सहारा ले रही है। उन्होंने रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता का एक अंश उद्धृत करते हुए ट्वीट किया, ''समर शेष है, जनगंगा को खुल कर लहराने दो, शिखरों को डूबने और मुकुटों को बह जाने दो, पथरीली ऊंची जमीन है तो उसको तोड़ेंगे, समतल पीटे बिना समर की भूमि नहीं छोड़ेंगे, समर शेष है, चलो ज्योतियों के बरसाते तीर, खण्ड-खण्ड हो गिरे विषमता की काली जंजीर।''

प्रियंका गांधी ने कहा, ''राहुल गांधी जी इस अहंकारी सत्ता के सामने सत्य और जनता के हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं। अहंकारी सत्ता चाहती है कि जनता के हितों के सवाल न उठें, अहंकारी सत्ता चाहती है कि देश के लोगों की जिंदगियों को बेहतर बनाने वाले सवाल न उठें, अहंकारी सत्ता चाहती है कि उनसे महंगाई पर सवाल न पूछे जाएं, युवाओं के रोजगार पर कोई बात न हो, किसानों की भलाई की आवाज न उठे, महिलाओं के हक की बात न हो, श्रमिकों के सम्मान के सवाल को न उठाया जाए।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''अहंकारी सत्ता सच को दबाने के लिए हर हथकंडे आजमा रही है, जनता के हितों से जुड़े सवालों से भटकाने के लिए साम, दाम, दंड, भेद, छल, कपट- सब अपना रही है।

लेकिन, सत्य, सत्याग्रह और जनता की ताकत के सामने न तो सत्ता का अहंकार ज्यादा दिन टिकेगा और न ही सच्चाई पर झूठ का परदा।''उनका कहना था कि राहुल गांधी जी ने इस अहंकारी सत्ता के सामने जनता के हितों से जुड़े सवालों की ज्योति जलाकर रखी है। प्रियंका गांधी ने कहा, ''इसके लिए राहुल गांधी हर कीमत चुकाने को तैयार हैं और

तमाम हमलों व अहंकारी भाजपा सरकार के हथकंडों के बावजूद एक सच्चे देशप्रेमी की तरह जनता से जुड़े सवालों को उठाने से पीछे नहीं हटे हैं। जनता का दर्द बांटने के कर्तव्य पथ पर डटे हुए हैं। सत्य की जीत होगी। जनता की आवाज जीतेगी।''

भाजपा ने फिर कहा, राहुल को मांगनी चाहिए मांफी

मोदी सरनेम मानहानि मामले में गुजरात हाई कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी है। सेशन कोर्ट के आदेश को राहुल ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। इन सब के बीच भाजपा ने आज एक बार फिर से दोहराया कि राहुल गांधी को इस मामले में माफी मांगनी चाहिए। भाजपा की ओर से रविशंकर प्रसाद के एक प्रेस वार्ता की। उन्होंने राहुल पर ओबीसी समाज के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल आदतन अपराधी हैं और वह टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ खड़े होते हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि हम कांग्रेस से पूछना चाहते हैं - आप राहुल गांधी को नियंत्रित क्यों नहीं कर सकते? आप उसे ठीक से बोलने का प्रशिक्षण क्यों नहीं दे पाते? वह आपका नेता है। प्रसाद ने कहा कि अगर उन्होंने इस मामले में माफी मांग ली होती, तो यह खत्म हो गया होता। प्रसिद्ध नेताओं और संगठनों के खिलाफ गाली देना, बदनाम करना और लगभग सबसे खराब तरह की गालियां देना राहुल गांधी की पुरानी आदत बन गई है। उन्होंने कहा कि सावरकर को लेकर राहुल के दिल में नफरत है।

खेल
प्रमुख समाचार

हम किसी भी टीम से कहीं भी खेलने को तैयार : बाबर आजम

कराची। इस साल भारत में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाना है। फैंस 15 अक्तूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले हाईवोल्टेज मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले मैच में करीब एक लाख 32 हजार दर्शकों के बीच यह मैच खेला जा सकता है। हालांकि, अभी पाकिस्तान की टीम सरकार की अनुमति का इंतजार कर रही है। वहीं, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने सभी टीमों को खुला चैलेंज दिया है। उन्होंने कहा है कि वह किसी भी टीम से कहीं भी खेलने को तैयार हैं।

दरअसल, बाबर का यह बयान उस मामले के बाद आया है जब आईसीसी और बीसीसीआई ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग को ठुकरा दिया था। पीसीबी ने अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड कप मैच के वेन्यू को बदलने की मांग की थी। पीसीबी अफगानिस्तान से चेन्नई के चेपक में और ऑस्ट्रेलिया से बेंगलुरु के चिन्नास्वामी में नहीं भिड़ना चाहता था। साथ ही भारत के खिलाफ अहमदाबाद में भी नहीं खेलने की इच्छा जताई थी। हालांकि, आईसीसी ने सभी मांगों को ठुकरा दिया था।

बाबर आजम ने कहा, मुझे फर्क नहीं पड़ता हम किस टीम से कौन से मैदान पर खेलते हैं। मुझे लगता है हम विश्व कप खेलने जा रहे हैं, केवल भारत के खिलाफ नहीं। हमारा ध्यान केवल एक (भारत) टीम पर नहीं हैं, वहां नौ और टीम होंगी जिन्हें हराकर ही हम फाइनल में पहुंच सकते हैं। आईसीसी के वेन्यू बदलने की मांग को ठुकराने पर बाबर ने कहा, एक पेशेवर खिलाड़ी होने के तौर पर, जहां भी क्रिकेट खेला जाएगा, जहां भी मैच होंगे, वहां पाकिस्तान की टीम जाएगी और खेलेगी। हम हर देश में हर परिस्थिति में प्रदर्शन करना चाहते हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

शेयर बाजार में गिरावट सेंसेक्स 505 अंक टूटा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में सप्ताह के आखिरी कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई और बीएसई सेंसेक्स 505 अंक की गिरावट लेकर बंद हुआ। फाइनेंशियल और आईटी शेयर में मुनाफावसूली तथा वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के कारण बाजार में गिरावट आई। इसी के साथ बाजार अपने ऑल टाइम हाई स्तर से नीचे उतर गया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 505.19 अंक या 0.77 प्रतिशत की गिरावट लेकर 65,280.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66 हजार के करीब 65,898.98 अंक तक चला गया था। हालांकि, कारोबार के अंत में यह गिरावट में बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए जबकि केवल चार लाभ में रहे। अपनी आठ दिन की तेजी का सिलसिला समाप्त करते हुए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 165.50 या 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,331.80 पर बंद हुआ।

आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी शेयर बाजार में लिस्ट हुआ

नईदिल्ली। ड्रोन बनाने वाली कंपनी आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी के शेयर शुक्रवार को 94 प्रतिशत की तगड़ी बढ़त के साथ शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुए। इसका निर्गम मूल्य 672 रुपये था। बीएसई में आइडियाफोर्ज का शेयर 1,305.10 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य के मुकाबल 94.21 प्रतिशत अधिक है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में भी यह शेयर 1,300 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 93.45 प्रतिशत अधिक है। पिछले हफ्ते कंपनी के 567.24 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 106.05 गुना अभिदान मिला था। निर्गम के लिए मूल्य दायरा 638-672 रुपये तय किया गया था। आइडियाफॉर्ज टेक्नोलॉजी ने 567 करोड़ रुपये के आईपीओ की पेशकश की थी, जिसे 638-672 रुपये की रेंज में बेचा गया था।

ऋण प्रतिभूतियों के खुलासा प्रावधान में सेबी ने किए बदलाव

नयी दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने ऋण प्रतिभूतियां जारी करने वाले संस्थानों को बार-बार दस्तावेज जमा करने से राहत देने के लिए नियमों को अधिसूचित कर सामान्य सूचना और प्रमुख सूचना दस्तावेज़ की संकल्पना पेश की है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बृहस्पतिवार को जारी एक अधिसूचना में कहा कि प्रतिभूति जारीकर्ताओं की तरफ से दाखिल किए जाने वाले सामान्य सूचना दस्तावेज़ (जीआईडी) में सामान्य अनुसूची में उल्लिखित सूचनाएं और खुलासे शामिल होंगे। पहली बार प्रतिभूति जारी करते समय शेयर बाजारों के पास इसे जमा करना होगा। सेबी ने कहा कि जीआईडी की वैधता अवधि एक वर्ष होगी। इसके बाद वैधता अवधि के भीतर गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों के निजी आवंटन के लिए प्रतिभूति जारीकर्ताओं को शेयर बाजारों के पास केवल एक प्रमुख सूचना दस्तावेज (केआईडी) दाखिल करना होगा।

निवेशकों को शेयर बेचकर 12300 करोड़ रुपये जुटाएगी अडाणी ग्रीन एनर्जी

नईदिल्ली। उद्योगपति गौतम अडाणी की अगुवाई वाले समूह की नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड निवेशकों को शेयर बेचकर 12,300 करोड़ रुपये जुटाएगी। समूह अमेरिकी शोध और निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट में लगाए गए धोखाधड़ी के आरोपों के बाद वापसी की रणनीति पर लगातार काम कर रही है। पूंजी जुटाने की योजना उसी रणनीति का हिस्सा है। कंपनी हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज कर चुकी है। अडाणी ग्रीन ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के माध्यम से इक्विटी शेयरों की बिक्री कर 12,300 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दे दी है।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का बढ़ता इस्तेमाल और डेटा सुरक्षा के पहलू

प्रसेनजित दत्ता

पिछले आधे दशक में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। एआई में इस विशेष प्रगति से डीप लर्निंग और मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म तकनीक काफी आधुनिक हो गई हैं और अब गणना करने की क्षमता और आंकड़ों की उपलब्धता दोनों ही बढ़ गई हैं। हालांकि, इस प्रगति पर सही अर्थ में उन्हीं लोगों ने नजर रखी है जो एआई या डिजिटल तकनीक में दिलचस्पी रखते हैं। पिछले साल नवंबर में ओपनएआई ने चैटजीपीटी और डॉल-ई शुरू किया और लोगों को यह दिखाया कि ये स्वाभाविक एवं सरल भाषा में कमांड देने पर क्या परिणाम ला सकते हैं।

पलक झपकते ही चैटजीपीटी और एआई लोगों के घरों और दफ्तरों में चर्चा के प्रमुख केंद्र बन गए। लोग चैटजीपीटी का इस्तेमाल करने के लिए आतुर हो गए और कई लोग तो इसकी क्षमताएं देखकर अचंभित रह गए। जिन लोगों को कुछ समय पहले तक एआई के बारे में बहुत जानकारी नहीं थी वे भी जेनरेटिव एआई, लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (एलएलएम), जेनरेटिव एडवर्सरियल नेटवर्क्स (जीएएन) और ह्यूरिस्टिक्स की चर्चा करने लगे।

खूबियों के साथ ही एआई की क्षमताओं एवं जोखिमों पर भी बातें होने लगीं। कुछ लोगों ने कहा कि एआई से कई महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल होंगी और मानव की कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा। कुछ दूसरे लोगों ने एआई को लेकर डरावनी तस्वीर पेश की और कहना शुरू कर दिया कि यह मानव के लिए जलवायु परिवर्तन से भी बड़ा खतरा साबित होगा।

भारत में भी कई लोग एआई की खूबियों और खामियों पर चर्चा कर रहे हैं मगर वे

सूचना, इसके प्रकार, बौद्धिक संपदा से जुड़ी चिंताओं और इन सबसे ऊपर डेटा की सुरक्षा जैसे गंभीर विषयों पर बहस नहीं कर रहे हैं।

इन सभी तकनीकी बातों से इतर आजकल के ज्यादातर एआई प्रोग्राम और अल्गोरिद्म आंकड़ों के एक बड़े समूह का अध्ययन करने के बाद सीखे-समझे जाते हैं। इसे बेहतर तरीके से समझने के लिए एक ऐसे व्यक्ति का उदाहरण लेते हैं जो कोई विषय सीखने का प्रयास कर रहा है। कोई व्यक्ति किसी विषय पर जितनी सामग्री का अध्ययन करता है और जितनी बार उन्हें पढ़ता है उतना ही फायदा मिलता है। एआई एल्गोरिद्म भी कुछ इसी तरह काम करता है। यही कारण है कि जिस डेटा या सामग्री से एआई एल्गोरिद्म सीखता है वह इसकी सफलता या विफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हो जाता है। कई दूसरे एआई भी हैं मगर डीप लर्निंग या मशीन लर्निंग और एलएलएम वे एआई हैं जिन पर इन दिनों सर्वाधिक चर्चा हो रही है।

जेनरेटिव एआई प्रोग्राम जैसे ओपनएआई का चैटजीपीटी और डॉल-ई या गूगल के बार्ड को बड़े पैमाने पर डेटा की जरूरत होती है और उसके बाद ही वे आपको प्रभावित करने की क्षमता हासिल कर पाते हैं। ये एलएलएम बड़ी मात्रा में शाब्दिक (कभी-कभी तस्वीर) को लेकर पहले से ही प्रशिक्षित रहते हैं इसलिए मानव की तरह शब्द एवं चित्र तैयार कर पाते हैं।

डेटा जितना बड़ा एवं बेहतर होगा एआई प्रोग्राम उतना ही बेहतर सीख पाएगा, बशर्ते कि शोधकर्ताओं का अल्गोरिद्म सही हो। यही कारण है कि लार्ज लैंग्वेज मॉडल और जेनरेटिव एआई प्रोग्राम के लिए उच्च गुणवत्ता वाले डेटा महत्त्वपूर्ण होते हैं। ये प्रोग्राम रोज ही सुर्खियों में रहते हैं। ओपनएआई और चैटजीपीटी की घर-घर चर्चा शुरू होने और लोगों के जेहन में एलएलएम और जेनरेटिव एआई के आने से पहले ही दुनिया भर में नीति निर्धारक नागरिकों की निजी जानकारियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित होने लगे थे। इस चिंता का कारण यह था कि बड़ी कंपनियां निःशुल्क सेवाएं या काफी सस्ती सेवाएं देकर लोगों से उनकी संवेदनशील जानकारियां बटोर रही थीं। उदाहरण के लिए गूगल की खोज सेवा इसलिए निःशुल्क है क्योंकि यह यूजर से संग्रहीत आंकड़ों के आधार पर विज्ञापन से काफी रकम कमा रही है।

एससीओ बैठक में भारत का कड़ा संदेश

सुशांत सरीन

शघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शिखर बैठक को यदि उपलब्धि के लिहाज से देखा जाए, तो उसमें कोई ऐसी खास चीज निकलकर नहीं आयी। लेकिन, इसकी कोई उम्मीद भी नहीं की जा रही थी। इसकी वजह यह है कि एससीओ जिस तरह का संगठन है और उसमें चीन का जिस तरह से दबदबा है, उसमें कोई बड़ी उपलब्धि निकल कर आने की संभावना कम ही होती है। मगर यह जरूर है कि एससीओ का अध्यक्ष होने के नाते भारत ने कूटनीतिक स्तर पर उपलब्धि हासिल की। उसने एससीओ क्षेत्रों में कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया। साथ ही, सरकार ने सम्मेलन का थीम सिक्योर यानी- सिक्योरिटी, इकोनॉमिक डेवलपमेंट, कनेक्टिविटी, यूनिटी, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए रेस्पेक्ट और एनवायरमेंटल संरक्षण- रखा। ऐसे समय जब एससीओ के साथ-साथ भारत जी-20 समूह की भी अध्यक्षता कर रहा है, तो ऐसे में एससीओ बैठक से भारत की कूटनीतिक पहुंच बढ़ी। भारत जी-20 जैसे बड़े ताकतवर समूह का अध्यक्ष है और ऐसे में एससीओ की शिखर बैठक के आयोजन से भारत ने यह भी संदेश दिया है कि वह केवल जी-20 ही नहीं, अपने क्षेत्र के संगठनों के प्रति भी उतना ही गंभीर है। हालांकि, इस क्षेत्र की रणनीतिक स्थिति पेचीदा है। एससीओ में अभी तक आठ देश हैं, और अब ईरान को भी शामिल किया जा रहा है। तो, एससीओ के छह सदस्यों के साथ तो भारत के अच्छे संबंध हैं, मगर चीन और पाकिस्तान के साथ तनाव वाले संबंध हैं। हालांकि, एससीओ जैसे क्षेत्रीय गुट का हिस्सा होने का लाभ यह है कि भारत को यह पता रहता है कि उसके खिलाफ क्या कुछ कहा जा रहा है, और साथ ही वह वहां अपनी बात भी रख सकता है। जैसे, इस सम्मेलन में भी चीन ने पिछले सम्मेलनों की तरह अपना एजेंडा रखने की कोशिश की। एससीओ के एजेंडे में संपर्क बढ़ाना शामिल है और चीन इसी के तहत अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव प्रोजेक्ट के लिए समर्थन जुटाना चाहता है, और जिस पर भारत को आपत्ति रही है। चीन की यह परियोजना संपर्क से ज्यादा दूसरे देशों को कर्ज के चंगुल में फंसाने की कोशिश ज्यादा है। मगर, इससे बड़ी मुश्किल यह है कि भारत की सीमा जब चीन और पाकिस्तान से लगती है तो उनके बीच संपर्क कैसे बढ़ सकता है। जैसे, भारत को यदि रूस से संपर्क जोड़ना हो और उसके लिए पाकिस्तान या चीन से होकर जाना हो, तो वह भारत के लिए घाटे का सौदा होगा। इसलिए उसकी बात तो होती है, पर कोई प्रगति नहीं होती। हालांकि, ईरान के आने से एससीओ देशों के बीच संपर्क कायम करने का एक रास्ता निकल सकता है क्योंकि उसके साथ भारत के संबंध सामान्य हैं। संपर्क के अलावा, एससीओ की बैठक में एक अहम मुद्दा आतंकवाद का रहता है। दरअसल, 2001 में एससीओ का गठन आतंकवाद और सुरक्षा के ही मुद्दे पर हुआ था। तब अमेरिका में 11 सितंबर के हमले के बाद इस क्षेत्र की सुरक्षा के संदर्भ में इसका गठन हुआ था। बाद में, इसमें और भी मुद्दे जुड़ गये। अभी हुई एससीओ शिखर बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर से आतंकवाद को चर्चा का केंद्र बिंदु बनाया। यह एक दुरुस्त कदम था क्योंकि वे ऐसा कर न केवल इस मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ले आये, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद के मुद्दे को पूरी तरह से सुलझाए बिना सहयोग और संपर्क की बातों का कोई अर्थ नहीं है। आतंकवाद को रोकने की चर्चा में एक अहम मुद्दा उन देशों का रहता है जो आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं या प्रायोजित करते हैं। चीन जैसे देश आतंकवाद को समर्थन देते रहे हैं, खास तौर पर पाकिस्तान के आतंवादियों को चीन ने शह दी है। चूंकि एससीओ की बैठक में सैद्धांतिक तौर पर द्विपक्षीय मुद्दों को नहीं उठाया जाता, इसलिए उस मर्यादा का ध्यान रखते हुए दूसरे देशों के नाम नहीं लिए जाते। लेकिन, ऐसी बातों में इशारा ही काफी होता है और इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने बिना नाम लिये जो कहा, उसका निशाना सही बैठा और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने बयान दे डाला।

समूची विपक्षी एकता को लगा झटका

ललित गर्ग

वर्ष 2024 के चुनाव से पूर्व भारतीय राजनीति के अनेक गुणा-भाग और जोड़-तोड़ भरे दृश्य उभरेंगे। महाराष्ट्र में ताजा राजनीतिक घटनाक्रम को देखते हुए तो ऐसा ही लगता है। वहां जो हुआ है उससे विपक्ष में खलबली है, घबराहट एवं बेचैनी स्पष्ट देखी जा सकती है, जो पटकथा महाराष्ट्र में लिखी गयी है, वही बिहार में भी लिखी जा सकती है। राजनीतिक दलों के भ्रष्टाचार को दबाने के लिये, सत्ताकांक्षा एवं आंतरिक असंतोष के चलते ऐसे समझौते, दलबदल एवं उल्टी गिनतियां अब आम बात हो गयी हैं। कल तक सत्ता पक्ष को कोसने वाले अजित पवार अपनी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से बगावत कर डिप्टी सीएम बन गए हैं। राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले शरद पवार की पार्टी का यह हश्र आश्चर्यकारी ही नहीं, बल्कि एक बड़ा विरोधाभास एवं विपक्षी एकता का संकट भी है। एक तरफ इस तरह के घटनाक्रम को राजनीतिक दलों में आंतरिक असंतोष व गुटबाजी से जोड़ा जा सकता है तो दूसरी तरफ सत्ता के उस स्वाद की आकांक्षा से भी, जिसे हर कोई पाना चाहता है। राजनीतिक दलों में बगावत का ऐसा दौर जब भी होता है इस बात को जोर-शोर से प्रचारित किया जाता है कि उनके दल में लोकतंत्र नहीं रहा इसलिए वे अपने विरोधियों से हाथ मिला रहे हैं। बड़ा प्रश्न है कि इस तरह राजनीतिक दलों से लोकतंत्र गायब होता रहा है, तो ऐसे अलोकतांत्रिक दल कैसे देश के लोकतंत्र को हांक सकेंगे?

आजकल राजनीति में उल्टी गिनती एक सूचक बन गई है, किसी महत्वपूर्ण राजनीतिक उठापटक या घटनाक्रम की शुरुआत के लिए। विभिन्न राजनीतिक दलों में ऐसी कई उल्टी गिनतियां चल रही हैं। कई कद्दावर नेताओं के सार्वजनिक/भावी जीवन की उल्टी गिनतियां चल रही हैं। करोड़ों-अरबों के घोटाले और रोज कोई न कोई उसमें और पलीता लगाने वालों के नाम जुड़ रहे हैं। इन पर ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स की कार्रवाई की गिनती शुरू हो रखी है। किसी की भी हालत ठीक नहीं है। ये उल्टी गिनतियां परिचायक हैं कोई नया पर्दा उठने की, किसी नए विस्फोट की। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे नेताओं की कई उल्टी गिनतियां हुईं, फलस्वरूप कई सरकारें गिरीं/बनीं/पर टिकी नहीं। अबकी बार कितनी दूर जाएगी-यह गिनती, पूरी होने पर ही मालूम होगा। पर कांप अभी से कई नेता रहे हैं। इसीलिये ऐसे बेमेल गठबंधन एवं उठापटक देखने को मिल रही है, आम चुनाव आने तक ऐसे तरह-तरह के परिदृश्य उभरेंगे। ऐसे में देखना होगा कि जांच एजेंसियां इन नेताओं के कथित भ्रष्टाचार के मामलों में आगे क्या करती हैं। बहरहाल, दलबदल भले ही महाराष्ट्र में हुआ हो, इसकी सबसे बड़ी चोट राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता पर पड़ी है। शरद पवार विपक्ष के सबसे कद्दावर नेताओं में हैं और विपक्षी एकता के प्रयासों में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में उनके पैरों के नीचे से उनकी लगभग पूरी पार्टी को खींच कर भाजपा ने यह संदेश दिया है कि विपक्षी नेता जो भी दावे करें, उनकी पार्टी ही उनके काबू में नहीं है। यह बहुत बड़ा संदेश है, जिसका जवाब तलाशना भी विपक्षी दलों के लिए जरूरी है।

भाजपा एक सक्षम एवं ताकतवर पार्टी है, नरेन्द्र मोदी एवं अमित शाह करिश्माई राजनेता हैं, अनेकानेक विशेषताओं वाले इन दोनों नेताओं की एक बड़ी विशेषता यह है कि ये अपने साथ दगा करने, धोखा देने या विश्वासघात करने वालों को कभी माफ नहीं करते। मौका आने पर ये ऐसे लोगों को सबक जरूर सिखाते हैं, महाराष्ट्र में सियासी उठापटक ऐसा ही सबक है। चुनाव पूर्व गठबंधन को नकारते हुए 2019 में शिवसेना ने अपने सहयोगी दल भाजपा से संबंध तोड़ जिस तरह सरकार बनाई और उसके जवाब में बाद में भाजपा ने जो दांव खेला, वह किसी से छिपा नहीं नहीं है। विधानसभा चुनाव के दौरान तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष रहे अमित शाह को चुनाव परिणाम बाद उद्धव ठाकरे ने धोखा दे दिया था। इसी कारण एकनाथ शिंदे शिवसेना से बगावत कर सीएम बनने में कामयाब हुए। दरअसल महाराष्ट्र में राकांपा के साथ जो कुछ भी हुआ उसका एक बड़ा कारण यह भी है कि शरद पवार ने चुनाव परिणाम के बाद भाजपा के साथ सरकार बनाने को राजी होकर भी तीन-चार दिनों में ही पलटी मार ली थी। इस तरह से शरद पवार ने भी अमित शाह को धोखा दिया था। एक चीज साफ नजर आती है कि भाजपा को धोखा देने वाले नेता अथवा पार्टी को अमित शाह राजनीतिक रूप से माफ नहीं करते। अमित शाह उस नेता या पार्टी को राजनीतिक सबक सिखाने के लिए बस सही समय का इंतजार करते हैं।

ताजा घटनाक्रम के लिए विपक्षी दल भाजपा को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, भाजपा इसे राकांपा का अंदरूनी मामला बता रही है तो एनसीपी के बागी नेता किसी दबाव से इंकार करते हुए विकास के लिए शिंदे सरकार का साथ देने की बात कह रहे हैं। राजनीतिक जोड़-तोड़ के माहिर खिलाड़ी रहे राकांपा प्रमुख शरद पवार के लिए यह निश्चित ही बड़ी राजनीतिक मात साबित हुई है। ऐसे वक्त में जब समूची भारतीय राजनीति में पवार खुद विपक्षी एकता के प्रयासों में जुटे थे, उनकी ही पार्टी में यह विभाजन महाराष्ट्र की नई राजनीतिक इबारत लिखने वाला होगा, इसमें कोई संशय नहीं है। लेकिन अहम सवाल यही उठता है कि देश की राजनीति आखिर सत्ता की खातिर ऐसे रास्ते पर क्यों चलने लगी है? पृथक चुनाव चिह्न पर जीत कर आने वाले आसानी से विरोधियों से हाथ क्यों मिलाने लगे हैं? देखा जाए तो धन बल के सहारे सत्ता पाना और सत्ता के सहारे धनबल हासिल करना आज की राजनीति की विकृति एवं विसंगति बन गया है।

महाराष्ट्र में राकांपा के अंदर मची उठापटक के बाद उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बिहार में जनता दल युनाइटेड और झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा को पार्टी में टूट का खतरा सताने लगा है। ऐसा ही डर कुछ और छोटी पार्टियों को भी है। लेकिन सबसे ज्यादा घबराहट जनता दल युनाइटेड खेमे में देखी जा रही है। जनता दल युनाइटेड की यह घबराहट स्वाभाविक भी है क्योंकि उसने भाजपा को जो धोखा दिया था उसका जवाब अब तक भाजपा ने नहीं दिया है। इन विपक्षी दलों की यह घबराहट सत्ता-लोलुपता की प्रवृत्ति के साथ किये गये भ्रष्टाचार के कारण है। शायद यही वजह है कि विपक्षी पार्टियों की बेंगलुरु में प्रस्तावित बैठक टलने की चर्चा भी शुरू हो गयी, लेकिन कांग्रेस ने यह स्पष्ट कर दिया कि बैठक बेंगलुरु में ही 17 और 18 जुलाई को ही होगी। कांग्रेस नेताओं ने यह बताना भी जरूरी समझा कि महाराष्ट्र में हुई घटनाओं का विपक्षी दलों के एकता के प्रयासों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। मगर पार्टी में सेंध लगने के बाद इन दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने राजनीतिक धरातल को बनाए रखने की है। सवाल यह खड़ा हुआ है कि क्या नेताओं के साथ-साथ पार्टी का वोट आधार भी दूसरे खेमे में चला गया है। विपक्षी दलों की एकता से पहले ही उनके बिखरने की घटनाएं आश्चर्यकारी होने के साथ ही राजनीतिक दलों के कमजोर मनोबल की परिचायक हैं। एक और बड़ा प्रश्न है कि भारतीय राजनीति की शुचिता एवं आदर्श की रक्षा कैसे हो पायेगी? क्योंकि उभर रही सबसे बड़ी विडम्बना एवं विसंगति यही है कि जनता जिसको सत्ता से बाहर रखना चाहती है वह ऐसे अनचाहे घटनाक्रम से सत्ता हथिया लेता है। दलबदल कानून की धज्जियां उड़ती हुई देखकर भी अदालतों से लेकर चुनाव आयोग तक ज्यादा कुछ नहीं कर पा रहे। चुनाव बाद होने वाले गठबंधनों में सत्ता-लोलुपता की प्रवृत्ति तब ही रुकेगी जब संवैधानिक प्रावधानों में जरूरी बदलाव हों। गैर लोकतांत्रिक गठबंधनों को रोकने के लिये राजनीतिक दलों को सशक्त आचार-संहिता से बांधना भी जरूरी है। भारत की जनता को भी राजनीतिक श्रेष्ठ की लम्बे समय से प्रतीक्षा है। हम श्रेष्ठ देखें, श्रेष्ठ सुनें और श्रेष्ठ बोलें। आइए! उल्टी गिनती शुरू करें श्रेष्ठ राजनीतिक बनने के लिए।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

त्रिशिखिब्राह्मणोपनिषद्

यह उपनिषद् शुक्ल यजुर्वेदीय परम्परा से सम्बद्ध है। इसमें ब्रह्मप्राप्ति के उपायभूत अष्टांगयोग का प्रमुखतया प्रतिपादन है। इस उपनिषद् का शुभारम्भ त्रिशिखी ब्राह्मण और भगवान् आदित्य के बीच आत्मा और ब्रह्मविषयक प्रश्नोत्तर से हुआ है। तदुपरान्त सर्वत्र शिवतत्त्व की विद्यमानता, ब्रह्म से अखिल जगत् की उत्पत्ति, एक ही पिण्ड का बहुधा विभाजन, आकाश आदि का अंश भेद, सूक्ष्मभूत मात्रा, आध्यात्मिक आदि विभाग, ब्रह्मा से लेकर पंचीकरण तक सृष्टि का विकास, जड़-चेतन विश्व की सृष्टि, चार अवस्थाएँ, दक्षिण और उत्तरायण गति, सद्यः मुक्ति प्रदायक ज्ञान, ज्ञानप्राप्ति के उपायभूत योग, कर्मयोग ज्ञानयोग, निर्विशेष ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के उपायभूत अष्टांगयोग, दस प्रकार के यम-नियम, हठयोग के आसन, नाड़ीशोधन तथा प्राणायाम की विविध विधियाँ, अग्नि मंडल का स्वरूप, नाड़ीचक्र में जीव का भ्रमण, कुण्डलिनी का स्थान और उसका क्रिया व्यापार, नाभि स्थान के पास नाड़ी कन्द की स्थिति, नाड़ियों में विचरण करने वाली प्राण वायुएँ, योगाभ्यास करने का स्थान और योगाभ्यास की विधि, प्राणायाम के विविध प्रयोग, षण्मुखी मुद्रा, मनोजय, मर्मस्थानों में प्राण का प्रत्याहार, धारणा के भेदोपभेद, शरीर के अंग-अवयवों में पंचभूतों की धारणा करना, ध्यान और उसका फल तथा अन्त में सविशेष ज्ञान की प्राप्ति और उसके द्वारा मुक्ति प्राप्ति का विशद वर्णन है।

एक बार त्रिशिखी नामक ब्राह्मण आदित्य लोक में जाकर भगवान् आदित्य से बोले-हे भगवन् ! यह शरीर (देह) क्या है? प्राण क्या है? कारण क्या है? और (यह) आत्मा क्या है? वे (भगवान् आदित्य) बोले- हे ब्रह्मन्! यह सभी कुछ शिवस्वरूप ही है, ऐसा जानो। वही नित्य, शुद्ध, निरंजन, विभु, अद्वय एवं आनन्दस्वरूप शिव अपने एक ही दिव्यालोक से सभी को देखने के पश्चात् तप्त (लाल) लौहपिण्ड के समान एक को अनेक रूपों में प्रकाशित करता है। यदि यह पूछा जाए कि वह आलोक-प्रदाता कौन है? तो यह कहा जायेगा कि सत शब्द का वाच्य अविद्या शबल-ब्रह्म अर्थात् विश्वब्रह्माण्ड में संव्याप्त मायोपाधिक अपर ब्रह्म। **क्रमशः ...**

गुरुदत्त जयंती : जीवन के तड़प को पर्दे पर महसूस कराने वाला अभिनेता

प्रदीप सिंह

भारतीय सिनेमा पर कोई भी बात गुरु दत्त के बिना अधूरी है। मुख्यधारा के हिंदी सिनेमा की सीमाओं के भीतर काम करते हुए, उनकी संवेदनाएं समृद्ध, आधुनिक और सूक्ष्म थीं। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि उनकी सबसे यादगार फिल्मों में से एक प्यासा टाइम पत्रिका की ऑल-टाइम 100 सर्वश्रेष्ठ फिल्मों की सूची में शामिल है। उनका अभिनय और फिल्म ठुकराये जाने के दुख और दर्द से भरा है। प्यासा और कागज के फूल दोनों ने एक संवेदनशील व्यक्ति के समाज से मोहभंग की कहानी है। गुरुदत्त ने जीवन में कभी भी दुख की तस्वीर को इस तरह से नहीं हटाया। प्यासा और कागज के फूल के बाद की फिल्मों, चौदहवीं का चाँद और साहिब बीबी और गुलाम के साथ अपने बहुत से पैसे वसूल किए। गुरु दत्त ने पहले कॉमेडी और थ्रिलर के साथ एक सफल प्रदर्शन किया था - आर पार, मिस्टर एंड मिसेज 55, बाजी और सीआईडी- सभी ने गुरु दत्त को एक अभिनेता-निर्देशक या एक निर्माता के रूप में देखा।

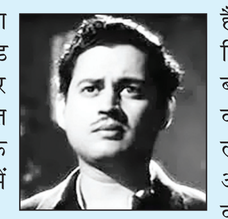

गुरुदत्त का जन्म 9 जुलाई, 1925 को कर्नाटक के बेंगलुरू में हुआ था। माता-पिता ने उनका नाम वसंत कुमार शिवशंकर पादुकोण रखा। उनके माता-पिता कर्नाटक के कर्वार नामक स्थान के रहने वाले थे। लेकिन बाद में वह भवानीपुर, पश्चिम बंगाल में स्थानांतरित हो गए। उन्होंने बचपन की एक दुर्घटना के कारण अपना नाम वसंत कुमार शिवशंकर पादुकोण से बदलकर गुरु दत्त रख लिया था।

गुरु दत्त को बॉलीवुड की कुछ बेहतरीन प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने का भी श्रेय दिया जाता है-उन्होंने वहीदा रहमान को फिल्मों में आगे बढ़ाया, बदरुद्दीन काज़ी (जिन्हें जॉनी वॉकर कहा जाता है), लेखक-निर्देशक अबरार अल्वी और प्रसिद्ध छायाकार, वीके मूर्ति जैसी प्रतिभाओं की खोज की।

हालाँकि, कई लोगों की राय है कि गुरु दत्त कभी भी विफलता और अस्वीकृति को पचा नहीं सकते थे। गुरुदत्त का निजी जीवन भी उथल-पुथल भरा रहा। उनकी बहन, चित्रकार ललिता लाजमी (दिवंगत फिल्म निर्माता कल्पना लाजमी की मां) के अनुसार, गुरुदत्त-गीता दत्त की शादी बहुत सफल नहीं थी। दोनों संवेदनशील आत्माएं थीं - न तो वे एक दूसरे के साथ रह सकते थे और न ही एक दूसरे के बिना। जबकि कई लोग वहीदा की उपस्थिति को गुरु दत्त और गीता दत्त के बीच विवाद का कारण मानते हैं, ललिता इसका जोरदार खंडन करती हैं। वह इस बात से सहमत है कि वहीदा उसके भाई के साथ काम करती थी। लेकिन उसके साथ उनकी शादी में आने वाली परेशानी के बारे में बताना गलत होगा। ललिता ने फिल्मफेयर के एक लेख में संपादक फरहाना फारूक से बात करते हुए कहा कि गीता एक बहुत प्यारी व्यक्ति थी, स्वभाव से पजेसिव थी और गुरु दत्त पर संदेह करती थी कि उनके साथ काम करने वाली हर अभिनेत्री के साथ उनका संबंध है।

गीता के साथ समस्या यह थी कि वह बेहद स्वामित्व वाली थी। यह भावना किसी भी शादी को चलने में समस्या पैदा कर सकती है। एक निर्देशक/अभिनेता जैसा रचनात्मक व्यक्ति कई अभिनेत्रियों के साथ काम करता है। यह विश्वास करने की दुनिया है। उन्हें पर्दे पर प्यार का इजहार करना होता है और उसे वास्तविक दिखाना होता है।

भारत को नाटो में शामिल होने का आग्रह

संतोष पाठक

वर्ष 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बावजूद अमेरिका, रूस के कद, प्रभाव और सामरिक क्षमता के कारण दशकों तक दुनिया पर उस तरह से राज नहीं कर पाया जैसे वह करना चाहता था लेकिन पिछले कुछ वर्षों के दौरान रूस के लगातार कमजोर होते जाने की वजह से अमेरिका के प्रभाव में लगातार बढ़ोतरी तो हुई लेकिन अब चीन की आक्रामक रणनीति ने उसे परेशान कर रखा है। दशकों तक पाकिस्तान को बढ़ावा देकर भारत को परेशान करने वाला, पाकिस्तान को सैन्य हथियार और साजो-सामान की मदद देकर भारत पर कई युद्ध थोपने वाला और कश्मीर समस्या को उलझाने वाला अमेरिका अब यह चाहता है कि भारत चीन के खिलाफ लड़ाई में खुलकर उसका साथ दे। इसके लिए अमेरिका अब भारत को अपने सैन्य गठबंधन नाटो में शामिल करना चाहता है, नाटो प्लस देश के तौर पर।

दरअसल, अमेरिका के नेतृत्व वाले उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन- 31 देशों का एक सैन्य गठबंधन है जिसे नाटो के नाम से जाना जाता है। नाटो का मूल मंत्र इसमें शामिल देशों की बाहरी आक्रमणों से हर तरह से रक्षा करना है अर्थात अगर इस संगठन में शामिल किसी देश पर कोई अन्य देश हमला करते हैं तो नाटो के सभी देश मिलकर उसके साथ खड़े होकर जवाब देते हैं। यही वजह है कि रूस के हमले का सामना कर रहा यूक्रेन भी नाटो का सदस्य बनना चाहता था और आज भी बनना चाहता है। नाटो में मुख्य रूप से अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश शामिल हैं। वहीं, इसके साथ ही अमेरिका ने एक नाटो प्लस की व्यवस्था भी कर रखी है, जिसमें अमेरिका के सहयोगी माने जाने वाले पांच और सदस्य देश- ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड और इजरायल शामिल हैं। अब अमेरिका भारत को इस बड़े समूह- नाटो प्लस का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित कर रहा है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी पर बनी अमेरिकी कांग्रेस की एक सेलेक्ट कमिटी की हाल में ही जारी हुई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को शामिल करने के लिए नाटो प्लस व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए। अमेरिका चाहता है कि भारत पश्चिमी देशों की सैन्य शक्ति वाले गठबंधन नाटो प्लस का हिस्सा बने। हाल ही में अमेरिकी सीनेट के इंडिया कॉकस के सह अध्यक्ष मार्क वॉर्नर और जॉन कोर्नी ने यह घोषणा की है कि वे भारत को नाटो प्लस का डिफेंस दर्जा देने के लिए अमेरिकी संसद में बिल पेश करने वाले हैं।

दरअसल, अमेरिका की यह पुरानी आदत रही है कि वह न तो अपनी जमीन पर कोई युद्ध लड़ना चाहता है और न ही अकेले कोई युद्ध लड़ना चाहता है इसलिए आज यूक्रेन रूस के हमले का सामना कर रहा है और ताइवान पर चीन के हमले का खतरा मंडरा रहा है। वैश्विक स्तर पर चीन के बढ़ रहे राजनीतिक प्रभाव और आक्रामकता का सामना करने के लिए अमेरिका चीन को उसके पड़ोस में ही मौजूद भारत जैसे ताकतवर देश के जरिए घेरना चाहता है।

यह बात दुनिया जानती है कि चीन के साथ भारत के संबंध अच्छे नहीं हैं लेकिन यह भी एक बड़ी सच्चाई है कि 1962 की लड़ाई में हार का सामना करने के बाद जब-जब चीन की सेना भारत के सामने आई है, भारत ने उसे मुंहतोड़ जवाब दिया है। आज का भारत अपने दम पर चीन को सबक सिखाने में सक्षम है। मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मौजूदगी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद को लेकर चीन की दोहरी नीति पर दोटूक शब्दों में प्रहार करते हुए विस्तारवाद की नीति को लेकर भी उसे आईना दिखाने का काम किया।

यह बात बिल्कुल सही है कि रूस के कमजोर होते जाने के कारण वैश्विक व्यवस्था भी तेजी से बदल रही है। भारत ने एक भरोसेमंद दोस्त होने के कारण 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बावजूद हमेशा से रूस के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता दी है। तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव से लेकर वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक भारत की हर सरकार ने रूसी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए अपनी तरफ से हरसंभव सहयोग दिया लेकिन रूस आज अपने ही कारण समस्याओं से घिर गया है। भारत की तरफ से लगातार प्रयासों के बावजूद रूस की हालत खस्ता होती जा रही है और अब तो रूस एक तरह से चीन के पाले में जाता नजर आ रहा है। यही वजह है कि कई विश्लेषक भारत को अब यह सलाह देने लगे हैं कि रूस और चीन के एक साथ आने के बाद अब भारत के पास एकमात्र रास्ता अमेरिका के साथ अपनी दोस्ती को मजबूत बनाने का ही रह जाता है और इसलिए उसे नाटो प्लस में शामिल हो जाना चाहिए। इसके कई फायदे भी बताए जा रहे हैं। यह कहा जा रहा है कि अगर भविष्य में चीन भारत पर हमला करता है तो नाटो प्लस का सदस्य होने के कारण अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देश भारत की मदद करेंगे। नाटो प्लस में शामिल हो जाने के बाद भारत को अधिक सैन्य समर्थन मिलेगा, नई-नई सैन्य तकनीक मिलेगी और साथ ही नाटो देशों के पास मौजूद खुफिया जानकारी तक भी भारत की पहुंच हो जाएगी। लेकिन क्या वाकई ऐसा है ? क्या नाटो में शामिल होने से भारत को वाकई सिर्फ फायदा ही होगा या पश्चिमी देश खासतौर से अमेरिका अपने फायदे के लिए भारत को नाटो प्लस में शामिल करना चाहता है ?

सच्चाई तो यह है कि अगर भारत नाटो से जुड़ने का फैसला करता है तो उसे उसकी भारी कीमत भी चुकानी पड़ेगी। सबसे पहला प्रभाव तो यही होगा कि नाटो में शामिल होने के बाद भारत वैश्विक मंच पर वैश्विक मुद्दों पर अपनी बात स्वतंत्र तौर पर नहीं रख पाएगा। उसे रूस के साथ अपने संबंधों को तोड़ना होगा। रूस-यूक्रेन लड़ाई में शांति स्थापित करने की कोशिशों को छोड़कर अमेरिका की तरह यूक्रेन का समर्थन करना होगा।

बापू की दिनचर्या

सायंकालीन आहार

बापू को आरंभ में आहार ग्रहण करने में यद्यपि रात के आठ-नौ बज जाते, किंतु सन् 1915 से वे सूर्यास्त से पूर्व लगभग पाँच से छह बजे के बीच भोजन कर लिया करते। भोजन के बाद प्रायः कुछ नहीं खाते। देर हो जाने पर शाम को वे कभी-कभी कुछ खाए बिना रह जाते। उन दिनों वाइसराय से बापू की आवश्यक बात लगभग बीस दिनों तक बेनागे हुई और उनका सारा दिन प्रायः वहीं बीत जाता । कभी-कभी वे बहुत रात बीतने पर लौट पाते। जिस दिन रुक जाते, मीरा बहन उनका भोजन वहीं ले जातीं और वे बातचीत के बीच अपने समय पर आहार कर लेते। सन् 1944 में बंबई में मुहम्मद अली जिना से अपनी वार्त्ता के समय बापू शाम का भोजन उनके घर पर मँगवा लिया करते, क्योंकि अक्सर देर हो जाती। बापू ने सन् 1915 में हरिद्वार के कुंभ मेले के अवसर पर रात्रि में भोजन न करने का व्रत लिया था। इसमें अपवाद यह था कि भारत के बाहर जाना पड़े तो रात्रि के भोजन का नियम बदला जा सकता है। शीघ्र सोना और शीघ्र उठना- इस दृष्टि से रात्रि भोजन का त्याग उन्होंने किया था। शाम सात बजे के बाद बापू कुछ नहीं लेते। जिन्हें जल्दी सोना और जल्दी उठकर कार्यरत हो जाना पड़ता है, उनके लिए किए हुए आहार के पाचन के लिए समय चाहिए। सायंकाल में रात्रि का आहार ग्रहण कर लेने से उपर्युक्त सारी सुविधा हो जाती है। अधिकतर मानव प्राणी से भिन्न प्राणी दिन रहते आहार कर लिया करते हैं। प्रकृति के निकटतम जीवन व्यतीत करने के अभ्यासी बापू की दृष्टि इस विषय पर वहाँ तक भी पहुँची थी! दक्षिण अफ्रीका के टॉलस्टॉय फार्म में बापू शाम को साढ़े पाँच बजे भोजन करते। उसमें गेहूँ की लपसी, दूध या रोटी और गेहूँ का कहवा-ये चीजें रहतीं। जोहांसबर्ग में संध्या के व्यालू में बहुत सादगी रहती। वहाँ पहले दो-तीन साग भाजियाँ, कढी, दाल, रोटी, मूँगफली या किसी दूसरी बीज का पीसकर बनाया गया कचूमर-ये वस्तुएँ रहतीं। दुबारा दूध और फल आदि लेते। वहाँ वे भोजन की सामग्री मेज पर सजाकर खाने बैठते। अतिथि भी प्रायः उस समय के आहार में सम्मिलित होते। **क्रमशः ...**

छत्तीसगढ 2-2 इकोनॉमिक कॉरिडोर से जुड़ रहा, बदलेगा भाग्य: प्रधानमंत्री

रायपुर। सावन की हल्की वर्षा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साइंस कॉलेज मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ 2-2इकोनॉमिक कॉरिडोर से जुड़ रहा है और यह छत्तीसगढ का भाग्य बदलने वाला है। प्रधनमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेल और सड़क से जुड़ी पांच केंद्रीय परियोजनाओं को लॉन्च किया। इस दौरान करीब 7500 करोड़ की सौगात प्रदेश की जनता को दी।

छत्तीसगढ की एक दिन की यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह 10ः45 बजे रायपुर पहुंचे।एयरपोर्ट पर स्वागत-सत्कार के बाद एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर से साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित जन सभा को संबोधित करने पहुंचे। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार के इन प्रोजेक्ट्स से छत्तीसगढ में रोजगार के अनेकों नए अवसर भी बनेंगे। यहां के धान किसानों, खनिज संपदा से जुड़े उद्यमियों और टूरिज्म को भी इन प्रोजेक्ट्स से बहुत लाभ मिलेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि इनसे आदिवासी क्षेत्रों में सुविधा और विकास की नई यात्रा शुरू होगी।

उन्होने कहा कि आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का एक और बहुत बड़ा लाभ है, जिस पर उतनी चर्चा नहीं होती। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का संबंध सामाजिक न्याय से भी है। जो सदियों तक अन्याय और असुविधा झेलते रहे उन तक भारत सरकार आज ये आधुनिक सुविधाएं पहुंचा रही है। 9 वर्ष पहले छत्तीसगढ़ के 20 प्रतिशत से अधिक गांवों में किसी तरह की मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं थी, आज ये घटकर लगभग 6 प्रतिशत रह गई है। इनमें से अधिकतर जनजातीय और नक्सल हिंसा से प्रभावित गांव हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा आज छत्तीसगढ़ 2-2 इकोनॉमिक कॉरिडोर से जुड़ रहा है। रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर और रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर इस क्षेत्र का भाग्य बदलने वाले हैं। रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर से रायपुर और विशाखापट्टनम की दूरी आधी हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतागढ़ से रायपुर चलने वाली नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

केंद्र से जो मांगा, उससे ज्यादा मिला : बघेल

छत्तीसगढ़ में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में सभी दलों ने अपनी ताकत झोंक दी है। ऐसे में योजनाओं के लोकार्पण के बहाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शुक्रवार को रायपुर पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ मंच साझा किया। इस दौरान सीएम भूपेश ने बेहद संक्षिप्त संबोधन में कहा कि हम लगातार केंद्र से मदद मांगते रहते हैं। प्रधानमंत्री जी से भी लगातार संपर्क में

रहते हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी मिलते हैं। जितना मांगते हैं उससे ज्यादा मिला है। वहीं प्रधानमंत्री की जनसभा के बाद फिर सीएम भूपश ने कहा कि, आप आए झूठ की बयार बहने लगी मोदी जी। दरअसल, साइंस कॉलेज मैदान में सरकारी और राजनीतिक दोनों कार्यक्रम था। योजनाओं के लोकार्पण में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव भी मंच पर थे। कार्यक्रम की शुरुआत हुई। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने पीएम नरेंद्र मोदी को मंच पर सम्मानित किया। कहा कि, प्रधानमंत्री का छत्तीसगढ़ आना खुशी की बात है। माता कौशल्या की धरती और भगवान राम की ननिहाल में उनका स्वागत है। प्रधानमंत्री जी से अनेक मंच पर मिलते रहे हैं और छत्तीसगढ़ के विकास के बारे में मांग करते रहे हैं। हमें खुशी है कि हम जितना मांगते हैं, उससे ज्यादा ही मिलता है। उसी साइंस कॉलेज मैदान में दूसरे मंच से प्रधानमंत्री की जनसभा हुई। उसे खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पीएम पर निशाना साधा। कहा कि, प्रदेश भाजपा के नेता लगातार किसानों को गुमराह कर रहे थे कि धान खरीदी केंद्र के पैसों से होती है। आप प्रधानमंत्री हैं, आपको तो सच पता है, लेकिन आप भी झूठ बोल गए। सीएम ने कहा, यह किसानों के नाम पर सबसे बड़ा झूठ है कि राज्य के धान उपार्जन का 80 प्रतिशत केंद्र ले लेता है। अगर आपकी सरकार की भूमिका राज्यों के धान खरीदी में इतनी ही है तो वाराणसी में किसान 1000-1200 रुपये क्विंटल में धान क्यों बेचने पर मजबूर है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि, प्रधानमंत्री जी, आपको छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं ने गलत जानकारी दी और आप भाषण पढ़कर चले गए। छत्तीसगढ़ का बच्चा बच्चा जानता है कि हमने गंगाजल की कसम 10 दिनों के भीतर किसानों की कर्जमाफ़ी के लिए खाई थी और दो घंटों के भीतर कर्ज माफ़ी हो गई थी। लेकिन भाजपा की सुई अटक गई है। भाजपा का 2100 रुपये क्विंटल और बोनस का कभी पूरा न हुआ वादा किसानों को ठीक तरह से याद है। वो ये भी जानते हैं कि कांग्रेस की सरकार उनके लिए क्या कुछ कर रही है। अब छत्तीसगढ़ के किसानों को कोई गुमराह नहीं कर सकता। आप भी नहीं।

छत्तीसगढ़ नवोदित राज्य, हमें केन्द्र से मिले ज्यादा से ज्यादा मदद : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ नवोदित राज्य है, इसलिए छत्तीसगढ़ को ज्यादा से ज्यादा मदद केन्द्र से मिलनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि यह हमारे लिए बहुत खुशी की बात है कि हमारे प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ के दौरे पर आये हैं। प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता कौशल्या की भूमि में मैं उनका स्वागत करता हूँ। प्रधानमंत्री जी से हम अनेक मंचों में मिलते हैं और नीति आयोग आदि की बैठकों में मिलते हैं। हम मांगे भी करते हैं लेकिन उन्हें और दोहराना नहीं चाहता। मैं गडकरी जी के साथ भी बैठता हूँ जितना मांगते हैं उससे ज्यादा ही देते हैं।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल, केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव, केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह, छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, विधानसभा नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, लोकसभा सांसद श्री अरूण साव और श्री सुनील सोनी, विधायक डॉ. रमन सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

समारोह में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लगभग 7600 करोड़ रूपए की लागत की 10 परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ किया। उन्होंने इनमें से राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित लगभग 6,400 करोड़ रूपए की लागत की पांच परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। जिन दो परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, उनमें जबलपुर-जगदलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के रायपुर-कोडेबोड़ खंड की 988 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित 33 कि.मी. लंबी 4 लेन वाली सड़क और एनएच-130 के बिलासपुर-अंबिकापुर खंड के 1261 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित 53 किलोमीटर लंबे बिलासपुर-पथरापाली खंड पर निर्मित 4-लेन की सड़क का लोकार्पण शामिल है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 6-लेन वाले ग्रीनफील्ड रायपुर-विशाखापत्तनम कॉरिडोर के छत्तीसगढ़ खंड के लिए तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें - एनएच-130 सीडी पर 1368 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले 43 किलोमीटर लंबे छह लेन वाले झांकी-सरगी खंड एनएच-130 सीडी पर 1471 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले 57 किलोमीटर लंबे छह लेन वाले सरगी-बसनवाही खंड और एनएच-130 सीडी पर 1307 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले 25 किलोमीटर लंबे छह लेन वाले बसनवाही-मारंगपुरी खंड का विकास शामिल है। 2.8 किलोमीटर लंबी 6-लेन सुरंग इसका एक प्रमुख घटक है - उदंती वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में वन्यजीवों के आसान आवागमन के लिए 27 रास्ते और 17 बंदर छतरियों का निर्माण भी किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

7 दिन बाद फिर आएंगे शाह, दी गई जिम्मेदारियों की करेंगे समीक्षा

रायपुर। भाजपा के प्रमुख चुनावी रणनीतिकार और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अब छत्तीसगढ़ को टारगेट में रखते हुए विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा नेताओं को दो टूक कह दिया है काम करना है तो सक्रिय रहें अन्यथा दूसरों को मौका दें,घर बैठ जाएं। टाप कोर नेताओं बड़ी जिम्मेदारी देकर सात दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी है। 14 जुलाई को वे फिर रायपुर आएंगे और समीक्षा करेंगे। किस आधार पर विधानसभा की रिपोर्ट तैयार होनी है यह भी वे बता गए हैं। ओम माथुर व नितिन नवीन समेत अरूण साव को जिम्मेदारी देकर वे गुरुवार को लौटे और यह भी कहा कि संगठन की बात बाहर नहीं जानी चाहिए। जब भी वे आगे आएंगे संगठन की हैसियत से आएंगे न कि केन्द्रीय मंत्री। मोदी की सभा के बीच मिले कम समय में तैयारी को लेकर भाजपा नेताओं के माथे पर पसीना भी आ रहा है।

छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी ओम माथुर को चुनाव की कमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश प्रभारी रहे ओपी माथुर को पार्टी ने अब चुनाव की कमान भी सौंप दी है। भाजपा ने शुक्रवार को ओम माथुर को प्रदेश का चुनाव प्रभारी बना दिया है। वह केंद्रीय चुनाव समिति में भी शामिल हैं। प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी मिलने के बाद से ही माथुर लगातार छत्तीसगढ़ का दौरा कर रहे थे। वह पहले ही कह चुके हैं कि छत्तीसगढ़ को चुनौती नहीं मानते हैं। उनके साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया को सह प्रभारी बनाया गया है। ओम माथुर के साथ ही भाजपा ने तीन अन्य प्रदेशों के भी चुनाव प्रभारी बनाए हैं। इनमें राजस्थान का चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव को मध्य प्रदेश और प्रकाश जावडेकर को तेलंगाना की जिम्मेदारी सौंपी है।

कापसी वन परिक्षेत्र के ग्रामों में जंगली हाथियों ने नुकसान पहुचाया

कांकेर। कापसी वन परिक्षेत्र के ग्राम खेरकट्टा निवासी ग्रामीण रेणु के घर पर जंगली हाथियों ने हमला कर घर नुकसान पहुचाया हैं, वहीं इरीकबूटा में भी किसान के घर एवं खेतो को जंगली हाथियों ने नुकसान पहुचाया हैं। खेरकट्टा के जंगलों से जंगली हाथियों की झुंड पिव्ही नंबर 122 एवं अलोर की ओर आने की सूचना मिल रही है। वन विभाग भानुप्रतापपुर ने जनता से जंगली हाथियों से दूर रहने की अपील किया है। कापसी वन परिक्षेत्र के वन कर्मी गस्त कर लोगों को जंगली हाथियों से दूर रहने के लिए आगाह कर रहे हैं।

यूसीसी पर सिंहदेव का बड़ा बयान

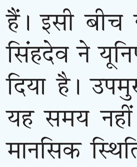

रायपुर। देश में यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) के मुददे पर राजनीतिक दलों में जोरदार बहस छिड़ी हुई है। सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं। इसी बीच छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने यूनिफार्म सिविल कोड पर बड़ा बयान दिया है। उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने कहा, यह समय नहीं है। हमारा समाज अभी भी उस मानसिक स्थिति तक नहीं पहुंचा है, जिसमें देश के सभी नागरिक अपनी पारंपरिक प्रथाओं को छोड़ दें और कानून और खुद को एक कानून में बांधना। अभी मेरी राय में देश और देश के नागरिक समग्र रूप से समान नागरिक संहिता के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं।

पीएम मोदी की सभा के लिए जाते हुए बड़ा हादसा सीएम बघेल ने किया मुआवजे का एलान

बिलासपुर। पीएम नरेंद्र मोदी की सभा में शामिल होने के लिए रायपुर जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं की बस बेलतरा के पास हाईवे में खड़े ट्रेलर से जा टकराई। हादसे में दो कार्यकर्ताओं की मौके पर ही, वहीं गंभीर रुप से घायल बस चालक की इलाज के दौरान मौत हो गई। कुछ लोगों को गंभीर चोटे आई है। घायलों को रतनपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है।

एएसपी राहुल देव शर्मा ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी की सभा में शामिल होने के लिए अंबिकापुर से बीजेपी कार्यकर्ता रायपुर जा रहे थे। कार्यकर्ताओं की बस बेलतरा के पास पहुंची थी। इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर हाईवे पर खड़े ट्रेलर से जा टकराई। हादसा सुबह पांच बजे के करीब हुआ। इस दौरान अधिकतर कार्यकर्ता नींद में थे।

हादसे के बाद बस में चीख - पुकार मच गई। पीछे आ रहे एक अन्य बस के कार्यकर्ताओं ने घायलों की मदद की। साथ ही घटना की जानकारी अधिकारियों को दी गई। सूचना पर पुलिस की टीम मौक पर पहुंच गई। जवानों ने घायलों को तत्काल रतनपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। यहां पर जांच के बाद डाक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर शव चीरघर भेज दिया। वहीं, अन्य घायलों का प्राथमिक उपचार कर सिम्स रेफर किया गया है। पुलिस मृत भाजपा कार्यकर्ताओं की पहचान कर उनके स्वजन तक हादसे की सूचना भेज रही है। बिलासपुर के

बेलतरा के समीप हुए हादसे में विश्रामपुर भाजपा मंडल के दो कार्यकर्ताओं की मौत हुई है। बस में सवार भाजपा नेता जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जमदेई निवासी सज्जन राम (30) व रूपदेव सिंह (45) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गम्भीर रूप से घायल बस चालक को अपोलो अस्पताल में भर्ती किया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दुर्घटना में बिश्रामपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष व जनपद सदस्य लीलू गुप्ता व ग्राम पंचायत तेलईकछार के उपसरपंच व भाजपा मंडल महामंत्री विशंभर यादव को गंभीर चोट आई है, इन्हें बिलासपुर अपोलो में उपचार हेतु भर्ती कराया गया है।

बस दुर्घटना पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट करते शोक जताया और कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी की सभा में शामिल होने अंबिकापुर से आ रही बस के बिलासपुर के समीप दुर्घटनाग्रस्त होने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। 2 लोगों की दुखद मृत्यु का समाचार मिला है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति एवं उनके परिवारजनों को हिम्मत दे। 3 लोगों के गंभीर घायल एवं 3 लोगों के घायल होने की सूचना है। हम सब उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी की सभा में शामिल होने आ रही बस की दुर्घटना में मृतकों के परिवारजनों को 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि की घोषणा करता हूँ। प्रशासन को घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं। हम सब उनके परिवारों के साथ इस कठिन समय में खड़े हैं।

मनेंद्रगढ़ से निकले भाजपा नेताओं की कार हुई दुर्घटनाग्रस्त, 6 घायल

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा और रैली में शामिल होने के लिए रायपुर जा रहे थे जिले कें भाजपा नेताओं की कार का टायर फट गया और पेड़ जा टकराई जिसमें 6 कार्यकर्ता घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार भाजपा कार्यकर्ता रवि सिंह, किशन सिंह, हिमांशु श्रीवास्तव, राम केसरवानी, दिलीप सिंह और मिक्कू गुरुवार रात रायपुर के लिए निकले थे। उन्हें शुक्रवार को होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में शामिल होना था। रात डेढ़ बजे केंदा घाटी में करीआम के पास इनकी कार का टायर फट गया और अनियंत्रित होकर गाड़ी सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई, इस हादसे में सभी 6 कार्यकर्ता घायल हो गए।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : ईडी ने दाखिल किया आरोपपत्र

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दावा किया है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में राज्य के वरिष्ठ नौकरशाहों, नेताओं और उनके सहयोगियों व उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों ने 2,161 करोड़ रुपये का हेरफेर किया। घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने मंगलवार को विशेष अदालत में 13 हजार पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया। ईडी के अनुसार सभी आरोपी एक सिंडिकेट चला रहे थे। इनकी भ्रष्ट गतिविधियों से 2019-23 के बीच सरकारी खजाने को नुकसान हुआ।

ईडी ने कहा, उत्पाद शुल्क विभाग की जिम्मेदारियां शराब की आपूर्ति को विनियमित करना, जहरीली शराब की त्रासदियों को रोकने के लिए गुणवत्तापूर्ण शराब की आपूर्ति सुनिश्चित करना व राज्य के लिए राजस्व अर्जित करना है, लेकिन आईएएस अफसर अनिल टुटेजा और अनवर ढेबर के आपराधिक सिंडिकेट ने इन उद्देश्यों को उलट दिया। टुटेजा हाल में सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने शराब नीति को इच्छानुसार बदला और जमकर लाभ कमाया।

प्रवर्तन निदेशालय ने आरोपपत्र में दावा किया है कि साजिश के तहत सिर्फ मोटा कमीशन देने वाले निर्माताओं से शराब खरीदी गई। छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लि. (सीएसएमसीएल) के एमडी अरुणपति त्रिपाठी केवल पसंदीदा निर्माताओं से शराब खरीदते थे, जबकि कमीशन नहीं देने वालों को दरकिनार कर देते थे। अनवर ढेबर यह कमीशन इकट्ठा करता था और उसमें से बड़ा हिस्सा सत्ता में मौजूद राजनीतिक दल के साथ साझा करता था। सिंडिकेट ने सीएसएमसीएल संचालित दुकानों के माध्यम से बेहिसाब अवैध शराब के निर्माण और बिक्री की साजिश रची।

ईडी के आरोपपत्र में कांग्रेस नेता और रायपुर के मेयर एजाज ढेबर के भाई अनवर ढेबर, छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के प्रबंध निदेशक अरुणपति त्रिपाठी, शराब व्यवसायी त्रिलोक सिंह ढिल्लन, होटल व्यवसायी नितेश पुरोहित और अरविंद सिंह का नाम है।

मोदी सरनेम केस में राहुल गांधी को बड़ा झटका धरने पर बैठे सीएम और डिप्टी सीएम

रायपुर। मोदी सरनेम मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी है। इसके बाद छत्तीसगढ़ में इस मामले को लेकर कांग्रेसियों ने शुक्रवार को धरना प्रदर्शन किया। इसमें सीएम भूपेश बघेल और उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव अम्बेडकर चौक में हो रहे प्रदर्शन में शामिल हुए। सीएम भूपेश आज का संगठनात्मक कार्यक्रम रद्द कर धरना प्रदर्शन में भाग लिए। मोदी सरनेम से जुड़े मानहानि मामले में गुजरात हाईकोर्ट से राहुल गांधी को बड़ा झटका लगा है। इस दौरान राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगे और केंद्र सरकार पर जमकर बरसे। धरना प्रदर्शन में पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम, प्रदेश प्रभारी सचिव चंदन यादव आदि कांग्रेस कार्यकता शामिल हुए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आज आयोजित समारोह में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ के पश्चात उनकी रायपुर से वापसी पर राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन और मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने उन्हें भावभीनी बिदाई दी।

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आज सुबह राजधानी रायपुर पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने विमानतल पर स्वागत किया वहीं पंडित रविशंकर शुक्ल हेलीपेड पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने उनकी अगवानी की। उन्होंने प्रधानमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका छत्तीसगढ़ में आत्मीय स्वागत किया। ट्वीट कर यह भी कहा कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल पर आपका स्वागत है।

पंजा बड़ा होकर मजबूती के साथ इस प्रदेश का विकास कर रहे हैं: मरकाम

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा रायपुर की सभा में बोले गये असत्य भाषण का प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम और कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव डॉ. चंदन यादव ने कड़ा विरोध किया है। कांग्रेस मुख्यालय में की गई पीसी में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि मोदी और भाजपा ने न भांचा राम को याद किया, न माता कौशल्या को यह इनकी नकली राम भक्ति की पोल खोलता है। प्रधानमंत्री जी के आने के पहले हमने उनसे 21 सवाल किया था उन्होंने जवाब नहीं दिया। रमन सिंह के सरकार के भ्रष्टाचार की सूची जारी किया था, कुछ नहीं बोले।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के पास जवाब नहीं था, या देना नहीं चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने फिर से झूठ बोलकर प्रधानमंत्री पद की गरिमा को तार-तार किया उन्होंने प्रदेश के जन हितैषी सरकार के खिलाफ झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगाए थे उनके द्वारा लगाए गए सारे आरोप निरर्थक है। कांग्रेस पार्टी किसानों को 10 दिन के भीतर कर्ज माफी का लाभ देने के लिए गंगाजल की सौगंध लिए थे और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शपथ ग्रहण

के 2 घंटे के भीतर प्रदेश के 20 लाख किसानो को कर्ज मुक्त किया। कांग्रेस की सरकार ने 2018 के घोषणा पत्र के 95 प्रतिशत वादों को पूरा किया है। कांग्रेस की सरकार शराबबंदी के दिशा में आगे बढ़ चुकी है डेढ़ सौ से अधिक शराब दुकानों को बंद किया गया है शराबबंदी के लिए जन जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि जनहानि ना हो। कांग्रेस की सरकार ने पेसा के नियम बनाकर पांचवी अनुसूची क्षेत्र को अपने क्षेत्र में शराबबंदी करने का अधिकार दे दिया है 15 साल तक ये सारे नियम नहीं बनाए गए थे। कांग्रेस की सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ा है 15 साल के रमन भाजपा शासनकाल कमीशन खोरी, भ्रष्टाचार, घोटालों की काला अध्याय थी उन 15 साल में छत्तीसगढ़ 30 साल पीछे चला गया था आज 5 साल में छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ा। यह सच है पंजा बड़ा होकर मजबूती के साथ इस प्रदेश का विकास कर रहे और भाजपा के कुशासन भ्रष्टाचार को खत्म कर रहा है। दुर्भाग्य की बात है मोदी सरकार अपने सरकार की उपलब्धि बताने में नाकाम रहे हैं और हमेशा की तरह जनता को गुमराह करते रहे। भाजपा के अन्य नेताओं की तरह प्रधानमंत्री जी ने भी झूठ बोला कि छत्तीसगढ़ की धान खरीदी में 80 प्रतिशत योगदान केंद्र सरकार का है जबकि हकीकत यह है कि धान खरीदी में केंद्र का योगदान नहीं के बराबर है। राज्य सरकार अपने दम पर धान की खरीदी करती है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने वायदा किया था 2500 में धान की खरीदी करेंगे, मोदी की सरकार ने अडंगा लगाया कि यदि समर्थन मूल्य से एक भी रूपया ज्यादा देंगे तो छत्तीसगढ़ से सेंट्रल पूल का चावल नहीं लेंगे। राज्य सरकार ने मोदी सरकार के धान खरीदी की विरोधी नीति के काट के रूप में राजीव गांधी किसान न्याय योजना लागू किया है। जब भाजपा की राज्य में सरकार थी तथा केंद्र में सरकार थी तब भी 50 लाख टन से ज्यादा धान की खरीदी नहीं किया। कांग्रेस की सरकार ने 107 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी का रिकॉर्ड बनाया है। हमारी सरकार ने साढ़े 4 साल में एक लाख सत्तर हजार करोड़ रू. किसानों पर खर्च किया। हम इस साल से प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदेंगे। भाजपा की सरकार थी तब मात्र 10 क्विंटल धान खरीदी की घोषणा किया था, कांग्रेस ने आंदोलन चलाया तब 15 क्विंटल किया। मोदी जी के निर्वाचन क्षेत्र यूपी में 1200 में धान बिकता है, उनके गुजरात में 1100 में धान बिकता है, छत्तीसगढ़ में 2640 में कांग्रेस खरीदी कर रही तो मोदी जी श्रेय लेने आ गये। एआईसीसी के सचिव एवं प्रदेश प्रभारी सचिव डॉ. चंदन यादव ने कहा कि मणिपुर जल रहा है,वहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार भी है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री भी आज तक वहां जाने का समय नही मिला। साढ़े चार साल कांग्रेस सरकार ने जनता से किये 36 वायदा में से 95 प्रतिशत वायदा पूरा किया इसके अलावा 51 योजनाये बनाकर सभी वर्गो के लिये छत्तीसगढ़ की संस्कृति, छत्तीसगढ़ की परंपरा, छत्तीसगढ़ का खेलकूद, छत्तीसगढ़ लोकगीत के लिये कार्य कर रही है।

पाँव हौले से रख कश्ती से उतरने वाले...

महाराष्ट्र में एनसीपी में दो फाड़ कराने से भाजपा को फायदे से कहीं अधिक नुकसान ही होगा।एनसीपी में फूट कराने से भले ही संख्याबल के लिहाज से भाजपा महाराष्ट्र विधानसभा में फिलहाल बेहतर स्थिति में दिखने लगी हो,लेकिन कालांतर में उसे फायदे से अधिक नुकसान ही होने वाला है। एनसीपी में दो फाड़ के बाद पैदा हुई हलचल के शांत होने के कुछ घंटे के अंदर ही यह संकेत मिलने लगे कि महाराष्ट्र में अपनी सरकार में कथित 'तीसरा इंजन' जोड़ने के बावजूद भाजपा असहज है।

सीधे सवाल उठ रहे हैं कि जब विधानसभा में पर्याप्त संख्याबल मौजूद है तो फिर उसे एक और पार्टी को तोड़कर अपने साथ लाने की जरूरत क्या पड़ी...? हालांकि शायद यही कारण हो सकता है कि उसे एनसीपी तोड़कर अपने संख्याबल को मजबूत करना पड़ा है। ध्यान रहे कि विधानसभा स्पीकर को जल्द ही शिंदे गुट वाली शिवसेना के उन 18 विधायकों की अयोग्यता के मुद्दे पर फैसला सुनाना है जिनके खिलाफ उद्धव ठाकरे ने सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया था।सुप्रीम कोर्ट ने जो कुछ भी कहा हो,लेकिन यह स्पष्ट कर दिया था कि विधायकों का पाला बदलना अवैध था,लेकिन अंतिम निर्णय स्पीकर पर छोड़ दिया था। अब अगर कानून के मुताबिक देखें तो स्पीकर के सामने इन विधायकों को अयोग्य घोषित करने के अलावा दूसरा विकल्प नहीं है,ऐसे में भाजपा को अगले साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव तक अपना संख्याबल बरकरार रखने की मजबूरी है।लेकिन उसने जो कदम उठाया है,ऐसे में उसने अपने उस फायदे को शायद खो दिया है जो उसे हासिल था।भाजपा को उद्धव ठाकरे के तरीकों से सबक लेना चाहिए था, क्योंकि ठाकरे ने अधिकतर कदम शरद पवार की सलाह पर उठाया था!उनका कहना है कि भले ही उन्हें लगता हो कि इस टूट-फूट से शरद पवार को झटका लगेगा और वे खामोश बैठ जाएंगे,लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि फिर से लड़कर खड़े होने में शरद पवार का कोई मुकाबला नहीं कर सकता है।शरद पवार के रुख से ही शायद संकेत लेकर आदित्य ठाकरे ने भी कहा है कि अब लड़ाई सिद्धांतों और निजी हितों के बीच है। आदित्य ठाकरे ने शिंदे गुट पर तंज कसते हुए कहा कि शायद शिंदे को यही समझाया गया होगा कि एनसीपी के बिना तो भाजपा,शिंदे गुट के साथ मिलकर भी 145 सीटें नहीं जीत सकती।हालांकि राजनीतिक औचित्य के हिसाब से देखें तो ऐसा कदम उचित नहीं कहा जाएगा,क्योंकि भाजपा ने अपने मित्र चुनने में कोई समझदारी नहीं दिखाई है और उसके राजनीतिक शत्रु तो घात लगाए पहले से बैठे ही हैं।

भाजपा, छ्ग की कांग्रेस सरकार और चुनौतियाँ.....

लगता है कि छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार अब भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के लिये बड़ी चुनौती बन गई है.....!भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व एन-केन-प्रकारेण यहां अपनी पार्टी की सरकार बनाना चाहता है। लगातार सरकारी अधिकारियों सहित कुछ कॉंग्रेसियों पर पहले ईडी की सतत कार्यवाही कुछ समय से चल रही है....? वहीं कई निशाने पर हैं। वहीं लगभग साढे 4 साल बाद पीएम नरेंद्र मोदी का छ्ग आगमन हुआ,उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार को जमकर निशाने पर लिया और मुखिया को कोसने में भी कोताही नहीं बरती...देश के विपक्ष पर दागदार होने का आरोप लगाकर हमले किये पर न तो मणिपुर की हिंसा पर कुछ बोला न ही महाराष्ट्र के राकाँपा के कुछ दागदार नेताओं को भाजपानीत सरकार में शामिल करने पर ही कुछ बोला.....? वैसे मोदी के छ्ग आगमन के पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का 15 दिन में 2बार छ्ग दौरा,संगठन के नेताओं के साथ गुप्त बैठक,चुनाव तक हर माह छ्ग आने की घोषणा,रक्षा मंत्री राजनाथ सिँह,भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा,केंद्र सरकार के मंत्री फग्गन सिंह,गिरिराज सिँह की छ्ग में सक्रियता की भी चर्चा तेज है।लगता है कि भाजपा अपने 15 सालों की सत्ता गँवाने का सदमा अभी तक भाजपा बर्दाश्त नहीं कर पा रही है।विस चुनाव के कुछ महीने पहले प्रदेश अध्यक्ष,नेता प्रतिपक्ष का बदलना,छ्ग प्रभारी का लगातार बदलना भी यही संकेत करता है।हो सकता है कि आगामी मोदी मंत्रिमंडल में छ्ग से किसी को शामिल कर लिया जाय....!वैसे भाजपा के सामने दिक्कत है कि भूपेश के मुकाबले कोई प्रादेशिक चेहरा नहीं तय हो पाया है,चेहरा है तो वह मोदी-शाह को पसंद नहीं है। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि जैसे जैसे विस चुनाव नजदीक आते जाएँगे वैसे वैसे भाजपा तथा केंद्र सरकार की सक्रियता बढ़ती जाएगी.....!

राहुल को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत....

मोदी सरनेम केस में राहुल गांधी की दो साल की सजा बरकरार रहेगी। गुजरात हाईकोर्ट ने उनकी रिव्यू पिटीशन को खारिज कर दिया है। गुजरात हाईकोर्ट ने कहा- राहुल गांधी ऐसे आधार पर सजा पर रोक की मांग कर रहे हैं, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।अब राहुल के पास देश की सर्वोच्च न्यायालय जाने का ही एक रास्ता बच गया है।

6 विधेयक लंबित हैं बुजुर्ग राज्यपाल के पास...?

छ्ग के राज्यपाल के पास 6 विधेयक लटके पड़े हैं, न स्वीकृति मिली,न वापसी हुई और न ही राष्ट्रपति को भेजा गया...? छत्तीसगढ़ में आरक्षण बिल को लेकर सरकार और राज्यपाल के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई है।पूर्व राज्यपाल अनुसुइया उइके (आजकल मणिपुर की राज्यपाल)के पास आरक्षण बिल भेजा गया था लेकिन उइके ने बिल पर हस्ताक्षर नहीं किये,जिसके सरकार की ओर से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी।वहीं, केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में विश्व भूषण हरिचंदन को नया राज्यपाल बनाया पर संभवतः भारत के सबसे बुजुर्ग राज्यपालों में एक हरिचंदन ने भी उस पर कोई विचार नहीं किया है।छत्तीसगढ़ विधानसभा ने 2 दिसंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ लोक सेवा (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण)संशोधन विधेयक और छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थान (एडमिशन में आरक्षण)संशोधन विधेयक पारित किया था।विधानसभा के विशेष सत्र में पारित किए गए कृषि उपज मंडी संशोधन विधेयक पर भी पूर्व राज्यपाल अनुसुईया उइके ने हस्ताक्षर नहीं किया था। इसमें भी राज्यपाल ने विधि विशेषज्ञों की राय ली थी। संवैधानिक रूप से कुलपति की नियुक्ति और उन्हें हटाने का अधिकार राज्यपाल के पास है,लेकिन राज्य के दो विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति को लेकर हुए विवाद के बाद सरकार ने कुलपति की नियुक्ति और हटाने का अधिकार अपने पास रखने का फैसला किया था।पर यह विधेयक भी लंबित है।हालांकि गुजरात में ऐसे अधिकार विधेयक को पहले ही वहां राज्यपाल मंजूरी दे चुके हैं।

केरला स्टोरी वाले बनाएंगे फ़िल्म बस्तर

द केरला स्टोरी फिल्म बनाने वाले निर्माता विपुल शाह और डायरेक्टर सुदीप्तो सेन नक्सलवाद पर आधारित फिल्म को लेकर काम शुरू कर दिया है। फिल्म का नाम बस्तर रखा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फिल्म के कुछ दृश्यों का फिल्मांकन बस्तर में किया जा सकता है।फिल्म के पोस्टर में जंगल, धुंआ, नक्सल झंडा और रायफल नजर आ रहा है। फिल्म के पोस्टर की टैग लाइन पर लिखा गया है कि %छिपा हुआ सच, जो देश में तूफान लेकर आएगा%। पोस्टर में ही फिल्म की रिलीज की तारीख 5 अप्रैल 2024 लिखी गई है।हालांकि इस फिल्म में कौन-कौन से फिल्म स्टार होंगे यह अभी यह तय नहीं हुआ है। निर्माता विपुल शाह की पिछली फिल्म द केरल स्टोरी ने विरोध के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था। ऐसे में नक्सलवाद पर आने वाली फिल्म बस्तर को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है। पहली बार कोई बड़ी प्रोडक्शन कंपनी नक्सलवाद पर फिल्म बना रही है।

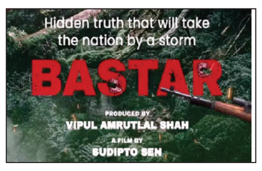

और अब बस....

- महाराष्ट्र में ऊट्रिपल इंजनऊ नहीं,3 चक्का वाले ऑटो रिक्शा की सरकार बनी है, सीएम भूपेश बघेल ने कहा। वैसे महाराष्ट्र में कौन नेता पहले ऑटो चालक था...?
- एक एडीजी की बर्खास्तगी की सिफारिश छ्ग सरकार ने केंद्र से की है।
- छ्ग में इस माह के अंत में एक छोटा प्रशासनिक फेरबदल तय है।

आज का दिन छत्तीसगढ़ वासियों के लिए यादगारः डॉ. रमन

रायपुर। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज का यह ऐतिहासिक अवसर छत्तीसगढ़ के लिए, रायपुर वासियों के लिए गौरवशाली क्षण है। पूरे छत्तीसगढ़ वासियों की ओर से प्रधानमंत्री का स्वागत करता हूं। अभिनंदन करता हूं जिन्होंने पूरी दुनिया में भारत का मान सम्मान और गौरव बढ़ाया उनका भगवान राम की ननिहाल में स्वागत है। अयोध्या में राम जन्मभूमि पर रामलला का भव्य मंदिर बनाने वाले मोदी जी का छत्तीसगढ़ में स्वागत है। जम्मू कश्मीर से 370 समाप्त करने वाले प्रधानमंत्री का छत्तीसगढ़ में स्वागत है। महामारी के दौर में 80 करोड़ लोगों को राशन देने वाले, 225 करोड़ भारतीयों को मुफ्त में टीका लगाने वाले, लाखों लोगों को आयुष्मान योजना में इलाज कराने वाले, भारत को पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने वाले मोदी जी का स्वागत है। अटल जी ने राज्य बनाया, मोदी जी ने संवारा सजाया। आज मैं कह सकता हूं मोदी जी का कार्यकाल इस 9 साल की उपलब्धि छत्तीसगढ़ में रोड कनेक्टिविटी एयर कनेक्टिविटी के साथ सड़कों का जाल बिछाने का काम किया गया। एक ही संकल्प लेना चाहता हूं। आंधी तूफान, पूरी रात बारिश होती रही लेकिन एक भी व्यक्ति नहीं रुका सभी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करता हूं। आम जनता का अभिनंदन करता हूं। हम यह संकल्प लें कि 2023 में छत्तीसगढ़ में

भाजपा की सरकार बनाना है। 2024 में मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। वे छत्तीसगढ़ आते रहें। हम सबको मार्गदर्शन देते रहें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आम सभा के मंच पर उनका छत्तीसगढ़ की आदिवासी परंपरा के अनुसार स्वागत किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ,भाजपा मनसुख मांडवीया,प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, प्रदेश भाजपा प्रभारी ओम माथुर, केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह, सह प्रभारी नितिन नबीन, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, सांसद सुनील सोनी, गोमती साय चुन्नीलाल साहू,विजय बघेल, गुहाराम अजगले,संतोष पांडे, राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय, पूर्व अध्यक्ष विष्णुदेव साय, विक्रम उसेंडी ,पूर्व सांसद राम विचार नेताम,पूर्वड्ड विधानसभा अध्यक्ष धरम लाल कौशिक, वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर ,पुन्नूलाल मोहिले,रजनीश सिंह गौरीशंकर अग्रवाल पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर, प्रेम प्रकाश पांडे,अमर अग्रवाल,पूर्व मंत्री राजेश मूणत, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा, रायपुर संभाग प्रभारी सौरभ सिंह विधायक रंजना साहू,डमरूधर पुजारी,प्रदेश उपाध्यक्ष, भूपेंद्र सव्वनी सरला कोसरिया लक्ष्मी वर्मा निर्मल सिन्हा, संभाग प्रभारी किरण देव,प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप,विजय शर्मा, ओपी चौधरी,मधुसूदन यादव, माजूद रहे।

आज से 11 तक प्रदेश के कई क्षेत्रों में भारी बारिश की चेतावनी

रायपुर। प्रदेश में शनिवार 7 जुलाई से 11 जुलाई तक के लिए मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। जिसमें प्रदेश के कई क्षेत्रों में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में जोरदार बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार छत्तीसगढ़ में मानसून द्रोणिका फ्रि एक्टिव हो गया है, जिसके चलते प्रदेश के सभी संभागों में जमकर बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक लगातार बारिश होने की संभावना जताई है।

24 में केंद्र और 23 में राज्य में भाजपा सरकार बनना तय : अरुण साव

रायपुर। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने विजय संकल्प महारैली को संबोधित करते हुए कहा कि आज गौरव का विषय है कि दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन हुआ। कौशल्या माता के मायके, भगवान राम के ननिहाल और संत गहिरा गुरु के धाम, संत गुरु घासीदास बाबा के धाम, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गुंडाधुर की वीर भूमि और छत्तीसगढ़ के पावन धाम में मोदी जी का अभिनंदन है। आज

हमारे बीच हमारे केंद्र के मंत्री नितिन नितिन गडकरी, मनसुख मांडवीया जी, डॉ रमन सिंह जी, रेणुका सिंह जी और मंच पर विराजमान नेतागण और इतनी बड़ी संख्या में बरसते पानी में नरेंद्र मोदी जी को सुनने आए हुए छत्तीसगढ़ के भाई बहनों सभी को पाय लागी करता हूं। आज पूरा छत्तीसगढ़ उत्साहित है। पूरा छत्तीसगढ़ उत्साह से भरा हुआ है। छत्तीसगढ़ के कोने कोने में संदेश जा रहा है कि 2024 में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

मोदी के भाषणों को कांग्रेस ने बताया झूठा प्रलाप

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा रायपुर की सभा में बोले गये असत्य भाषण का प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम और कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव डॉ. चंदन यादव ने कड़ा विरोध किया है।पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि माता कौशल्या की जय। मोदी जी को माता कौशल्या की जय बोलने से परहेज है, माता कौशल्या के मायके भगवान राम के ननिहाल में आकर माता कौशल्या को 15 साल की तरह भूल गये। मोदी और भाजपा न भांचा राम को याद किया, न माता कौशल्या को यह इनकी नकली राम भक्ति की पोल खोलता है। प्रधानमंत्री जी के आने के पहले हमने उनसे 21 सवाल किया था उन्होंने जवाब नहीं दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने फिर से झूठ बोलकर प्रधानमंत्री पद की गरिमा को तार-तार किया जन हितैषी सरकार के खिलाफ झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगाए थे उनके द्वारा लगाए गए सारे आरोप निरर्थक है। कांग्रेस पार्टी किसानों को 10 दिन के भीतर कर्ज माफी का लाभ देने के लिए गंगाजल की सौगंध लिए थे और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शपथ ग्रहण के 2 घंटे के भीतर प्रदेश के 20 लाख किसानो को कर्ज मुक्त किया। कांग्रेस की सरकार ने 2018 के घोषणा पत्र के 95 प्रतिशत वादों को पूरा किया है।

चालू खरीफसीजन में 11.58 लाख किसानों को 4961 करोड़ का कृषि ऋण वितरित

रायपुर। प्रदेश के किसानों को चालू खरीफसीजन 2023 के लिए सहकारी बैंकों द्वारा बिना ब्याज के अल्पकालीन कृषि ऋण उपलब्ध कराई जा रही है। चालू खरीफसीजन में अब तक प्रदेश के 11 लाख 58 हजार 669 किसानों को 4961 करोड़ 27 लाख रूपए का कृषि ऋण वितरित किया जा चुका है, जो कि लक्ष्य का 81 प्रतिशत है। विगत खरीफसीजन में इसी अवधि पर 3928 करोड़ 71 लाख का ऋण वितरण किया गया था। इस तरह गत वर्ष की तुलना में चालू खरीफ में 1032 करोड़ 56 लाख रूपए अधिक का ऋण वितरित किया गया है। गौरतलब है कि प्रदेश की 2058 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से इस वित्तीय वर्ष में 6100 करोड़ के ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उद्यानिकी फसलों के लिए ब्याज मुक्त कृषि ऋण का प्रावधान किया गया है। सहकारी बैंकों के माध्यम से उद्यानिकी फसलों के लिए 230 करोड़ रूपए का लक्ष्य रखा गया है। निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 16.34 करोड़ रूपए का ऋण वितरित किया जा चुका है। अपेक्स बैंक से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश के सहकारी बैंक, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से धान के अलावा उद्यानिकी की अधिसूचित फसल जैसे बैगन, टमाटर, अदरक, मिर्च, फूलगोभी, आलू, पपीता, अमरूद, केला, करेला, लौकी, परवल, कद्दू, बरबट्टी, तरोई, जिमीकंद, शिमला मिर्च, गाजर, मूली, ककड़ी, खीरा, लहसून, हल्दी आदि फसलों के ऋणमान निर्धारित किया गया।

राहुल के समर्थन में धरने पर बैठे भूपेश...

रायपुर। गुजरात हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मोदी सरनेम मानहानि मामले में राहुल गांधी को राहत नहीं दी। कोर्ट ने 2 साल की सजा पर रोक लगाने से मना कर दिया। जिसके बाद छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेता सभी कार्यक्रमों को रद्द करके राहुल के समर्थन में धरने पर बैठ गए।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम समेत कांग्रेसी नेताओं ने अंबेडकर चौक पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अंग्रेज केवल महात्मा गांधी से डरते थे भाजपा राहुल गांधी से डर रही है। अंग्रेज और भाजपा दोनों फूट डालो राज करो की नीति पर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग डरे हुए हैं। सच का सामना नहीं कर सकते, राहुल गांधी सच की बात करते हैं, ईमान की बात करते हैं। अब तो लोकसभा से भी सदस्यता समाप्त हो गई है, फिर भी ये डर रहे है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ने का काम किया। उन्होंने सच्चाई के साथ लड़ाई लड़ी। कन्याकुमारी से लेकर श्रीनगर तक हर जगह राहुल गांधी के साथ लोग थे। आज देश भर में सबसे लोकप्रिय नेता राहुल गांधी हैं।

शिक्षक सीधी भर्ती : ऑनलाईन काउंसलिंग प्रक्रिया से

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत बस्तर एवं सरगुजा संभाग में रिक्त सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याता के 12 हजार 489 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाईन काउंसलिंग के माध्यम से अभ्यर्थियों को उनकी चयन की प्राथमिकता के अनुसार शालाओं का आबंटन करने का प्रावधान किया गया है। ऑनलाईन काउंसलिंग प्रारंभ होने की सूचना स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर तथा समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाएगी। इसके साथ ही ऑनलाईन काउंसलिंग के लिए व्यापम की मेरिट अनुसार सूची भी स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। चिप्स द्वारा (व्यापम फार्म अनुसार) संबंधित के मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से सूचना दी जाएगी।ऑनलाईन काउंसलिंग में भाग लेने के लिए काउंसलिंग के पूर्व सभी अभ्यर्थियों को व्यापम पोर्टल पर बनाए गए अपने प्रोफाइल का आधार वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थी व्यापम पोर्टल पर बनाए गए अपने आईडी, पासवर्ड से लोक शिक्षण संचालनालय के ऑनलाईन काउंसलिंग पोर्टल पर लॉगिन कर सकेंगे। लॉगिन करने पर स्क्रीन पर डेस बोर्ड दिखेगा, जिसमें अभ्यर्थी द्वारा दिए गए भर्ती परीक्षाओं सहायक शिक्षक, शिक्षक, व्याख्याता की जानकारी होगी।सर्वप्रथम व्याख्याता पद की ऑनलाईन काउंसलिंग प्रारंभ की जाएगी। केवल प्रारंभिक रूप से चयनित अभ्यर्थी ही ऑनलाईन काउंसलिंग में भाग ले पाएंगे। अभ्यर्थी द्वारा पोर्टल पर साइन इन करने पर दस्तावेज सत्यापन का राउण्ड, प्रीफेंस फिलिंग विडों, प्रीफेंस स्टेटस, एक्शन प्रदर्शित होगा।

प्रदेश में चलाया जाएगा रोका-छेका अभियान

रायपुर। राज्य में खुले में चराई कर रहे पशुओं के नियंत्रण और उनसे खरीफ फसलों की सुरक्षा के लिए इस वर्ष भी रोका-छेका का अभियान शुरू किया जा रहा है। रोका-छेका छत्तीसगढ़ की पुरानी परंपरा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर इसे अभियान के रूप में राज्य में शुरू किया गया है, जिसके बड़े ही उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य में चालू वर्ष के दौरान यह अभियान पुनः चलाया जा रहा है। इस संबंध में नवा रायपुर स्थित मंत्रालय से कृषि विभाग ने सभी कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को गांवों में 17 जुलाई तक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप रोका-छेका अभियान चलाने के दिशा-निर्देश आज जारी कर दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में खरीफ फसल बुआई कार्य के पूर्व खुले में चराई कर रहे पशुओं के नियंत्रण के लिए 'रोका छेका' प्रथा प्रचलित है, जिसमें फसल बुआई को बढ़ावा देने तथा पशुओं के चरने से फसल को होने वाली हानि से बचाने के लिये पशुपालक तथा ग्रामवासियों द्वारा पशुओं को बांधकर रखने पहटिया (चरवाहा) की व्यवस्था इत्यादि कार्य किया जाता है। इस प्रयास से न सिर्फ किसान जल्दी बुआई का काम कर पाते हैं, बल्कि दूसरी फसल लेने हेतु भी प्रेरित होते हैं। कृषि विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी रोका-छेका प्रथा के अनुसार व्यवस्था की सुनिश्चितता की जाए।

पुलिस विभाग की भर्ती पर हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण आदेश

बिलासपुर। उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ ने सूबेदार, उपनिरीक्षक, उपनिरीक्षक (विशेष शाखा), एवं प्लाटून कमांडर की भर्ती को याचिका में आने वाले निर्णय के अधीन रखा। राज्य शासन और छत्तीसगढ़ व्यापाम के अधिवक्ताओं ने कोर्ट में बताया कि भूतपूर्व कोटा से भरे जाने पदों में 153 पद रहने वाले हैं ख़ाली।

उच्च न्यायालय के समक्ष भोलेश कुमार (भूतपूर्व सैनिक) ने अपने अधिवक्ता अनादि शर्मा द्वारा, सूबेदार, उपनिरीक्षक, उपनिरीक्षक (विशेष शाखा), एवं प्लाटून कमांडर की भर्ती में आये मुख्य लिखित परीक्षा के परिणाम को रिट याचिका के माध्यम से चुनौती दी है। मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के माननीय जस्टिस पी. सैम कोशी जी की एकल पीठ में हुई। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता अनादि शर्मा द्वारा मुख्यतः कोर्ट को यह बताया गया कि, भूतपूर्व सैनिकों के लिए सूबेदार, उपनिरीक्षक, उपनिरीक्षक (विशेष शाखा), एवं प्लाटून कमांडर की भर्ती में 95 पद (कुल 951 पदों का 10 प्रतिशत पद) रिज़र्व रखा गया है। जिसके संबंध में पुलिस मुख्यालय द्वारा मुख्य लिखित परीक्षा के परिणाम में नियमानुसार, रिज़र्व रखे पदों के पाँच गुना अभ्यर्थियों को और उन अभ्यर्थियों को जिनके अंक आख़िरी चयनित अभ्यर्थी के बराबर हों, को अगले चरण में बुलाने की प्रक्रिया है। परंतु पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी परिणाम में 475 अभ्यर्थियों के बजाय मात्र 319 अभ्यर्थियों को अगले चरण की शारीरिक

दक्षता परीक्षा के लिए चयनित किया गया है जो विधिपूर्वक नहीं है। याचिकर्ता के अधिवक्ता द्वारा कोर्ट को यह भी बताया गया की भूतपूर्व सैनिक का आरक्षण विज्ञापन के हिसाब से समस्तर (हॉरिजांटल) एवं प्रवर्गवार (कम्पार्टमेंट वाइज़) आरक्षण रखा जाना है और भूतपूर्व सैनिक के अपने खुदमें अलग अलग प्रवर्ग होते हैं जिनका, 2021 के भर्ती संबंधित जारी नियमों में, उल्लेख है। भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित पदों को विभाजित करके उन्हें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ी जातियों और सामान्य उम्मीदवारों में आवंटित करना, इसलिए, अधिकारहीन है। सभी भूतपूर्व सैनिकों को, जो अपने आरक्षित कोटा के खिलाफ आवेदन करते हैं, एक ही वर्ग के व्यक्ति के रूप में व्यवहार किया जाना चाहिए और उन सभी को उनके आरक्षित रिक्तियों के लिए मेरिट के आधार पर खास दृष्टिकोण से मान्यता दी जानी चाहिए, चाहे वे जाति/वर्ग में किसी से भी संबंधित हों। यथार्थ होने के कारण, यह मुख्य लिखित परीक्षा के परिणाम में संशोधन किया जाना चाहिए। इसके अलावा कोर्ट को यह भी बताया गया कि मुख्य लिखित परीक्षा के परिणाम छत्तीसगढ़ व्यापाम द्वारा नहीं जारी किए गये हैं, और पुलिस मुख्यालय ने ये परिणाम जारी किए हैं, और किसी भी अभ्यर्थी के अंकों को परिणाम में नहीं दर्शाया गया है जिससे याचिकर्ता को अपने अंक और आख़िरी चयनित अभ्यर्थी के अंक नहीं पता चलेंगे।

उत्तरवादियों के अधिवक्ताओं द्वारा कोर्ट में कथन दिया गया की भूतपूर्व सैनिक के कुल 153 पद ख़ाली रहेंगे। जिसके बाद उपरोक्त आधारों और कथन को मद्देनज़र रखते हुए, माननीय उच्च न्यायालय ने सूबेदार, उपनिरीक्षक, उपनिरीक्षक (विशेष शाखा), एवं प्लाटून कमांडर के पोस्ट पर होने वाली भर्ती को याचिका के निर्णय के अधीन रख दिया है।

दिवंगत कार्यकर्ताओं को पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि, साव ने की 5-5 लाख की मदद की घोषणा

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में शामिल होने रहे आ रहे भाजपा कार्यकर्ताओं की मृत्यु पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के सभी नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने घोषणा की कि दिवंगत कार्यकर्ताओं के परिजनों को पांच- पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता भाजपा द्वारा की जाएगी। घायलों के उपचार का खर्च भाजपा वहन करेगी। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल और केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह दिवंगत कार्यकर्ताओं की अंत्येष्टि में शामिल होने सूरजपुर रवाना हुए हैं। दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश जी सहित सभी नेताओं ने छत्तीसगढ़ के दिवंगत भाजपा कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी।

■ अंत्येष्टि में शामिल होने चंदेल, रेणुका सूरजपुर रवाना

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.